सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 80 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 02 जनवरी 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

बलौदा बजार में बड़ा हादसा : तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवारों कुचला, मौके पर हुई तीन की मौत

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में नए साल के पहले दिन बड़ा हादसा हो गया। यहां बाइक सवार तीन दोस्तों को तेज रफ्तार हाइवा ने रौंद डाला। हादसा इतना भयानक था कि तीनों बाइक सवारों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर आसपास के लोग जमा हो गए। लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। मामला कसडोल थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार अर्जुनी गांव के रहने वाले तीनों युवक नए साल का जश्न मनाने तुरतुरियां धाम गए थे। पिकनिक मनाने के बाद तीनों वापस लौट रहे थे। तीनों एक ही बाइक पर सवार थे। वापसी में रात लगभग 12 बजे कलमीडीह गांव के पास हाइवे पर एक तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बीएमओ की पत्नी का मिला शव, हत्या की आशंका

जगदलपुर। शहर से सटे करकापाल के एक मकान में एक महिला का शव मिलने की सूचना मिलते ही सनसनी फैल गई। मामले की जानकारी लगते ही बोधघाट पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। वहीं शव को पीएम के लिए भेजे जाने की बात कही जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार, बस्तर में बीएमओ के पद में पदस्थ रहे बीड़ी राय की पत्नी डॉक्टर अर्चना घोष अपने अनुकूल देव वार्ड स्थित घर में थी। ऐसा बताया जा रहा है कि परिवार के द्वारा अपने बड़े बेटे की शादी के लिए कुछ दिन पूर्व गहने खरीदे जाने की बात सामने आई थी। आज सुबह जब परिवार के लोगों ने महिला के कमरे में जाकर देखा तो डॉक्टर अर्चना रॉय का शव मिला।

जिसके बाद परिवार के लोगों को मामले की जानकारी दी गई। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि महिला की हत्या की गई है। घर से सामान को लूटकर ले जाया गया है। फिलहाल मामले की जांच में पुलिस जुट गई है। पुलिस भी परिजनों से बात कर रही है। जांच के बाद ही मामले का खुलासा हो पायेगा। शव को पीएम के लिए मेकाज भेजा जा रहा है। पीएम रिपोर्ट के बाद ही मामले का खुलासा हो पायेगा।

छत्तीसगढ़ के 10 निगमों की कमान प्रशासकों के हाथ

9 जनवरी तक 10 निगमों में महापौर व सभापति का कार्यकाल होगा खत्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के 14 नगर निगमों में से 10 नगर निगामों का कार्यकाल एक सप्ताह में खत्म हो रहा है। राजधानी रायपुर सहित 10 नगर निगमों में महापौर व सभापति का कार्यकाल खत्म होते ही इसकी जिम्मेदारी सरकार द्वारा नियुक्त प्रशासकों के हाथ में होगी। नए साल के पहले दिन ही नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा प्रशासकों की नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी है। सरकार ने इन सभी निगमों में प्रशासकों की जिम्मेदारी उस जिले के कलेक्टर को सौंपी है। यानी अब अलग-अलग जिलों के कलेक्टर्स के हाथों में शहर की सरकार रहेगी। यही काम-काज देखेंगे और फैसला लेंगे। इस दौरान नए टेंडर भी होंगे और सभी काम जारी रहेंगे।

छत्तीसगढ़ के 14 में से 10 नगर निगम के मेयर और सभापति का कार्यकाल खत्म हो गया है। इसे लेकर 10 नगर निगमों में प्रशासकों की नियुक्ति की गई है। नगरीय प्रशासन विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। जारी की गई अधिसूचना के मुताबिक रायपुर नगर निगम के प्रशासक रायपुर के कलेक्टर होंगे। इसी तरह नगर पालिक निगम दुर्ग, राजनांदगांव, बस्तर, बिलासपुर, धमतरी, रायगढ़, मनेंद्रगढ़-भरतपुर-चिरमिरी, अंबिकापुर और कोरबा के लिए वहां के कलेक्टर को प्रशासक बनाया गया है। प्रशासकों की नियुक्ति के साथ ही महापौर, सभापति, जोन अध्यक्ष व निर्वाचित पार्षदों का कार्यकाल खत्म होने के बाद उनके पद शून्य हो जाएंगे।

प्रशासक नियुक्ति का नियम

प्रशासक की व्यवस्था महापौर के कार्यकाल खत्म होने के बाद निगमों में प्रतिनिधि नियुक्त करने की है। जैसे देश या प्रदेश में जब सरकार का कार्यकाल खत्म हो जाता है तो गर्वनर या राष्ट्रपति का कंट्रोल होता है। इसी तरह निगमों में कार्यकाल खत्म होने के बाद कलेक्टर को या वरिष्ठ आईएएस अफसरों को जिम्मेदारी दी जाती है। छत्तीसगढ़ में यह पहली बार नहीं है।

राजनांदगांव में कल से प्रशासक संभालेंगे कामकाज

छत्तीसगढ़ के 14 में से जिन 10 निगमों का कार्यकाल खत्म हो रहा है उसमें सबसे पहले राजनांदगांव नगर निगम का नाम है। राजनांदगांव नगर निगम का कार्यकाल 2 जनवरी यानी गुरुवार को खत्म हो रहा है। 3 जनवरी को राजनांदगांव नगर निगम में यहां के कलेक्टर प्रशासक की जिम्मेदारी संभालेंगे। नगर निगम बिलासपुर व जगदलपुर का कार्यकाल 3 जनवरी को पूरा हो रहा है। यहां पर 4 जनवरी से प्रशासक काम काज देखेंगे। इसी प्रकार नगर निगम रायपुर, दुर्ग, धमतरी, रायगढ़ व चिरमिरी का कार्यकाल 5 जनवरी को खत्म हो रहा है। पांचों निगमों में 6 जनवरी से प्रशासक अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। इसके अलावा अंबिकापुर नगर निगम का कार्यकाल 7 जनवरी को और कोरबा नगर निगम का कार्यकाल 9 जनवरी को पूरा हो रहा है। इन दोनों नगर निगमों में क्रमशः 8 व 10 जनवरी को संबंधित जिला कलेक्टर प्रशासक के तौर पर काम काज संभालेंगे।

इससे पहले भी प्रशासक नियुक्त किए गए हैं। नगर निगम भिलाई में भी पिछली बार समय पर चुनाव नहीं होने पर प्रशासक की नियुक्ति की गई थी। तब तात्कालीन कलेक्टर सर्वेश्वर भुरे ने भिलाई निगम की कमान संभाली थी।

चुनाव की घोषणा के पहले महापौर व अध्यक्षों की खर्च की सीमा तय

नगरीय निकाय चुनाव की घोषणा से पहले सरकार ने मेयर और अध्यक्षों की खर्च सीमा तय कर दी गई है। 5 लाख या उससे अधिक आबादी वाले नगर निगमों में मेयर प्रत्याशी 25 लाख, 3-5 लाख की आबादी वाले नगर निगम के लिए यह सीमा 20 लाख और 3 लाख से अधिक आबादी वाले निगम 10 लाख रुपए तक खर्च कर सकेंगे। वहीं, 50 लाख से अधिक आबादी वाले नगर पालिका अध्यक्ष अधिकतम 10 लाख रुपए और 50 हजार से कम आबादी वाले नगर पालिका अध्यक्ष अधिकतम 8 लाख रुपए खर्च कर सकेंगे। इसके अलावा नगर पंचायत अध्यक्ष के लिए खर्च की सीमा 6 लाख रुपए है। छत्तीसगढ़ राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशित कर दी गई है।

राज्य के चावल निर्यातकों को मिलेगी मंडी शुल्क में छूट सरकार के फैसले से चावल उद्योग को मिलेगा प्रोत्साहन

- **मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर निर्णय, गैर-बासमती चावल के निर्यात को मिलेगा बढ़ावा**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ सरकार ने छत्तीसगढ़ के चावल उद्योग को प्रोत्साहित करने तथा राज्य से गैर-बासमती चावल के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए चावल निर्यातकों को मण्डी शुल्क और कृषक कल्याण शुल्क से पूर्णतः छूट देने का निर्णय लिया है।

यह छूट उन निर्यातकों को मिलेगी जो राज्य के राइस मिलर्स और मंडियों के माध्यम से खरीदे गए धान से तैयार गैर-बासमती चावल का निर्यात करेंगे। शुल्क में छूट देने का उद्देश्य छत्तीसगढ़ से गैर बासमती चावल निर्यात को बढ़ावा देना और राज्य के किसानों तथा चावल मिलर्स को अधिक लाभ दिलाना है। सरकार के इस फैसले से छत्तीसगढ़ के चावल उद्योग को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिलेगी।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मंडी शुल्क एवं किसान कल्याण में छूट दिए जाने की अधिसूचना को राजपत्र में प्रकाशन के लिए जारी कर दिया गया है। यह छूट अधिसूचना प्रकाशन के दिनांक से लेकर एक वर्ष तक के लिए होगी। उक्त दोनों शुल्कों में छूट के लिए चावल निर्यातकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके शिपिंग बिल में चावल के कार्गो का मूल स्थान छत्तीसगढ़ लिखा हो।

इसके अलावा, छत्तीसगढ़ का वस्तु एवं सेवा कर विवरण, लदान बिल, और बैंक री-कॉंसिलेशन स्टेटमेंट की प्रति संबंधित मंडी में प्रस्तुत करनी होगी। राज्य के पंजीकृत चावल निर्यातकों और राइस मिलर्स को एक घोषणा पत्र देना होगा, जिसमें यह स्पष्ट रूप से दर्शाया गया हो कि चावल छत्तीसगढ़ से खरीदे गए धान से तैयार किया गया है। राइस मिलर्स को मंडी अधिनियम के तहत चावल निर्यातकों को परमिट जारी करना होगा।

बालोद की बेटी वीणा साहू बनी भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट नर्सिंग अफसर, सीएम ने दी बधाई

- **सीएम ने फोन कर की वीणा साहू से बात**

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ की बेटियां देशभर में अपना नाम कर रही हैं। खासकर रूरल क्षेत्र की बेटियां राष्ट्रीय स्तर पर अपनी योग्यता साबित कर रही हैं। बीते दिनों कोंडागांव की जुडो खिलाड़ी हेमबती को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री वीर बाल पुरस्कार से सम्मानित किया। इसी कड़ी में बालोद की बेटी भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट नर्सिंग अफसर बनी है। बालोद जिले के ग्राम जमरूवा के किसान की बेटी वीणा साहू ने यह उपलब्धि हासिल की है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने वीणा साहू की उपलब्धि पर कहा है कि इस बेटी पर गर्व है। सीएम साय ने फोन पर वीणा साहू से बात की और उन्हें बधाई दी।

सीएम साय ने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर कहा कि बालोद जिले के ग्राम जमरूवा के किसान परिवार की बेटी वीणा साहू ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट नर्सिंग अफसर बनकर समूचे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। आज फोन पर बिटिया वीणा से बात कर उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी और उत्साहवर्धन किया। बेटियां हमारा स्वाभिमान हैं, छत्तीसगढ़ की शान हैं। वीणा की यह उपलब्धि प्रदेश के असंख्य युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। बिटिया को पुनः बधाई। जय छत्तीसगढ़!

विधायक देवेन्द्र यादव की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में भर्ती: रायपुर में ऑपरेशन की चल रही तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। हिंसा मामले में रायपुर जेल में बंद भिलाई नगर के कांग्रेस विधायक देवेन्द्र यादव की सेंट्रल जेल रायपुर में तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें दाउ कल्याण सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल (डीकेएस) में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि, भिलाई नगर विधायक देवेंद्र पिछले 5 दिनों से अस्पताल में भर्ती है। उनके ऑपरेशन की तैयारी चल रही है।

मिली जानकारी के अनुसार विधायक देवेंद्र यादव को पेट की मांसपेशी से जुड़ी बीमारी के इलाज के लिए लाया गया है। इससे पहले उनके मेडिकल फिटनेस के लिए उन्हें अंबेडकर अस्पताल भेजा गया था। जहां सारी जांच की गई। बताया जा रहा है कि मेडिसिन विभाग से मेडिकल फिटनेस रिपोर्ट आने के बाद उनका डीकेएस में ऑपरेशन होगा।

17 अगस्त को हुई थी गिरफ्तारी

बलौदाबाजार हिंसा मामले में 17 अगस्त को भिलाई से देवेन्द्र यादव को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद से लगातार उनकी न्यायिक रिमांड बढ़ रही है। वे रायपुर की सेंट्रल जेल में बंद हैं। इस दौरान प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, यूथ कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब समेत कई बड़े कांग्रेस नेता उनसे मुलाकात करने जेल पहुंचे थे।

छत्तीसगढ़ में युवती ने इंस्टा पर लाइव आकर लगा ली फांसी

- **21 लोगों ने देखा वीडियो, जांच में जुटी पुलिस**

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले युवती की आत्महत्या का मामला सामने आया है। नवागढ़ थाना क्षेत्र की इस घटना ने हड़कंप मचा दिया है। दरअसल युवती ने लाइव आकर अपनी जान दी। जिस समय युवती ने आत्महत्या की उससे पहले वह सोशल मीडिया पर ऑनलाइन थी। आत्महत्या करते युवती को 21 लोगों ने देखा और कमेंट कर ऐसा नहीं करने की बात भी कहते रहे। जब तक युवती को बचाने पहुंच पाते उसने फांसी लगा ली। इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

नवागढ़ पुलिस ने बताया कि मृतक युवती का नाम अंकुर नाथ (19) है। युवती पहले इंस्टा पर लाइव आई और उसके बाद आत्महत्या कर ली। युवती की आत्महत्या का लाइव वीडियो देखकर आसपास के रिश्तेदार और गांव के कुछ लोग फौरन युवती के घर पहुंचे, लेकिन तब तक युवती फंदे से झूल चुकी थी। इसके बाद आनन फानन में उसे उतारकर अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

युवती को थी मोबाइल की लत

बताया जा रहा है कि युवती को मोबाइल की लत थी। युवती यहां अपनी बहन के साथ रहती थी। उसके माता-पिता हैदराबाद में मजदूरी करते थे। आसपास के लोगों ने बताया कि युवती हमेशा अपने मोबाइल पर ही लगी रहती थी। पुलिस को आशंका है कि युवती का कोई प्रेम प्रसंग का मामला भी हो सकता है। मृतका ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है। पुलिस ने युवती का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। पुलिस को उम्मीद है कि मोबाइल के जरिए युवती की आत्महत्या का राज खुल सकता है।

बोरवेल में गिरते बच्चे और बेहिस आबादी

श्रीकंचनपथ

गुस्ताखी माफ - दीपक रंजन दास

बोरवेल में बच्चों के गिरने की घटनाएं ही यह बताने के लिए काफी है कि हम कितने सतर्क और जिम्मेदार नागरिक हैं। बोरवेल कोई प्राकृतिक उपहार नहीं हैं। इन्हें हम खुद बनाते हैं। घरेलू उपयोग के बोरवेल जहां 4.5 से 12 इंच तक व्यास के होते हैं वहीं खेती के लिए 24 इंच तक के गड्ढे तैयार किये जाते हैं। इनमें पाइप डालकर मोटर पंप की सहायता से पानी निकाला जाता है। जब किसी बोरवेल का पानी सूख जाता है तो उसे वैसा ही छोड़ दिया जाता है और दूसरा बोरवेल कहीं और खोद लिया जाता है। इसके भी विशेषज्ञ मिलते हैं। कोई हाथ में अंडी की छड़ी लेकर भूजल का पता बताता है तो कोई हथेली पर नारियल खड़ा कर जल स्रोत की जानकारी देता है। इसके बाद भारी भरकम मशीनों से चंद घंटों में जमीन में एक सुराख तैयार कर ली जाती है। जब तक बोरवेल पानी देता है, तब तक वह जीवन देता है। कायदे से जब कोई बोरवेल सूख जाता है तो उसे बंद कर देना चाहिए। नियमानुसार इसमें मिट्टी, रेत या मलबा भरकर इसे बंद करना होता है। सर्वोच्च न्यायालय ने फरवरी 2010 में परित्यक्त बोरवेल को बंद करने के संबंध में दिशा निर्देश भी जारी किये थे। पर लगता है किसी ने भी इसपर कान नहीं धरा। 2009 से 2024 के बीच कम से कम 40 बच्चों की मृत्यु बोरवेल में गिरने के कारण हुई है। 2025 की शुरुआत ही एक और बच्चे की बोरवेल में गिरने से मौत के साथ हुई। बोरवेल में गिरे बच्चों को निकालने के लिए एनडीआरएफ या एसडीआरएफ की टीम जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ काम करती है। इसके लिए बोरवेल के समानान्तर एक गड्ढा और खोदा जाता है जिससे बचाव अधिकारी बच्चे के करीब पहुंचते हैं और उसे बाहर खींचने का प्रबंध करते हैं। पर 70 फीसदी मामलों में ये ऑपरेशन फेल हो जाते हैं। ताजा घटना चेतना की है। राजस्थान के कोटपूतली की 3 वर्षीय चेतना 170 फीट गहरे बोरवेल में गिर गई। उसे निकालन में दस दिन लग गए। उसे बचाया नहीं जा सका। दरअसल, सुरक्षा को लेकर यह लापरवाही अब बेहद आम हो चली है। बिना न्यूनतम सुरक्षा उपकरणों के फैक्टरी की चिमनी से लेकर बिजली के खंभों तक पर लोगों को काम करते देखा जा सकता है। सड़कों पर 50 से 100 किलोमीटर की रफ्तार से गाड़ी दौड़ाने वाले भी सुरक्षा उपायों को किनारे रखकर चलते हैं। बिजली के उपकरणों को लेकर भी यही लापरवाही देखी जाती है। एक ही सॉकेट से थ्री-वे या मल्टीप्लग लगाकर कई उपकरण चलाने वाले भी कई मिल जाएंगे। होशियार लोग तो प्लग की जरूरत ही नहीं समझते। वो बिजली के तारों को माचिस की तीली की सहायता से सॉकेट में फंसा देते हैं। जब भी कहीं आग लगती है तो पहला शक शॉर्ट सर्किट पर जाता है। क्या ऐसे ही होते हैं पढ़े लिखे लोग?

संपादकीय

नववर्ष के संकल्प

नया वर्ष, नई उमंग लेकर आता है। हमने वर्ष 2025 में कदम रख लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 2024 में कई उपलब्धियां हासिल हुई हैं। सरकार वर्ष 2025 में और भी अधिक मेहनत करने तथा विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। वास्तव में साल 2024 भारत के लिए उपलब्धियों वाला साल रहा। इस साल भारत की अर्थव्यवस्था ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। भारत, अमेरिका, यूके, पाकिस्तान और श्रीलंका उन 60 से ज्यादा देशों में शामिल थे, जिन्होंने इस साल नई सरकार चुनने के लिए मतदान किया।

> *लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सत्ता में वापसी हुई। तीसरी बार नरेंद्र मोदी के बतौर प्रधानमंत्री देश की कमान संभालने से आर्थिक सुधारों के तेज गति पकड़ने की संभावना बढ़ गई। भारत का रक्षा निर्यात एक दशक पहले के 2,000 करोड़ रुपये से बढ़कर रिकॉर्ड 21,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है। इसरो ने नए साल से ठीक पहले 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट यानी स्पैडेक्स सैटेलाइट की सफल लांचिग कर एक बार फिर इतिहास रच दिया है।*

नए साल के संकल्प जीवन को प्रतिबिंबित करने और उन क्षेत्रों की पहचान करने का एक तरीका हो सकते हैं, जिन्हें हम बदलना चाहते हैं। इसलिए नए साल में हम जीवन के कई नए संकल्प लेते हैं। रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए अपने मन-मस्तिष्क में नए-नए विचारों और दृष्टिकोणों को विश्वास के साथ जगह देने होगी, उनका स्वागत करना होगा और जमीन पर उतारने के लिए मेहनत और लगन से ईमानदार प्रयत्न करने की आवश्यकता है।

2025 चुनौतियों का वर्ष है, तो अपार संभावनाओं का वर्ष भी है। परंतु नए साल में दुनिया के तमाम देशों को लगातार बढ़ती जा रही आर्थिक, सामाजिक, सुरक्षा और पर्यावरण की चुनौतियों से निपटना होगा। चीन के साथ चल रहे सीमा विवाद को लेकर सरकार को महत्वपूर्ण रक्षा सुधारों को आगे बढ़ाना होगा। 2025 का भारत एक नई राजनीतिक दिशा और संभावनाओं के साथ, गहराते सामाजिक-राजनीतिक विभाजन और असंतोष के दौर से भी गुजर सकता है।

अवसरों से भरे इस साल में देश को विकसित और समृद्ध राष्ट्र बनने के लिए उस देश के समाज का उन्नत होना आवश्यक है और समाज की उन्नति में उसके प्रत्येक सदस्य का एक-दूसरे के प्रति तथा विभिन्न समाजों के मध्य सहयोगात्मक दृष्टिकोण महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्तमान समय में, जब तकनीक, विज्ञान और समाज के सभी पहलू तेजी से बदल रहे हैं, हमें सहज, सरल और सृजनात्मक बने रहने की दिशा में काम करना होगा। सभी मिलकर संकल्प लें कि राष्ट्र व समाज निर्माण की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

नजरिया

2024 में ग्लोबल रैंकिंग में भारत की प्रगति

भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और हम आत्मविश्वास के साथ तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर हैं। प्रतिस्पर्धी होने और वैश्विक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का भारत का दृढ़ संकल्प पिछले दशक में विभिन्न वैश्विक रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार के जरिए स्पष्ट हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, देश ने लॉजिस्टिक्स से लेकर नवाचार, सुरक्षा और साइबर सुरक्षा तक के क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। पिछले दस वर्षों की इन उपलब्धियों का संबंध केवल बेहतर रैंकिंग से ही नहीं हैं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था में भारत की भूमिका का नए सिरे से कल्पना करने से भी है।

वर्ष 2015 से लेकर 2018 के बीच व्यवसाय करने में आसानी से संबंधित सूचकांक (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस इंडेक्स) में 42 स्थानों की लंबी छलांग ने भारत को कम अनुपालन एवं अधिक अवसरों वाले व्यावसायिक माहौल के साथ निवेश के एक अनुकूल गंतव्य के रूप में स्थापित किया है। इसी तरह, वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक (ग्लोबल कम्पेटिटिव्नेस इंडेक्स) में 2014 में 71वें स्थान से छलांग लगाकर 2018 में 39वें स्थान पर पहुंचने की भारत की कवायद ने बुनियादी ढांचे, बाजार के आकार और नवाचार के क्षेत्र में इसकी प्रगति को रेखांकित किया है। वर्ष 2022 में, भारत के विमानन सुरक्षा निरीक्षण तंत्र ने चीन, इज़राइल और डेनमार्क जैसे देशों को पीछे छोड़ते हुए 102वें स्थान से 48वें स्थान पर आने की लंबी छलांग लगाई। ये उपलब्धियां अपनी वैश्विक स्थिति एवं प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने की दिशा में भारत के निरंतर प्रयासों का प्रमाण हैं।

वर्ष 2024 में, वैश्विक मंच पर भारत की जबरदस्त प्रगति कम उल्लेखनीय नहीं रही है। प्रमुख रैंकिंग में स्थान और उपलब्धियां इसके बढ़ते प्रभाव को दर्शाती हैं। सबसे बड़े विदेशी मुद्रा भंडार वाले शीर्ष चार देशों में स्थान हासिल करने से लेकर वैश्विक नवाचार सूचकांक (ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स) में कई पायदान ऊपर चढ़ने तक, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की प्रगति परिवर्तनकारी रही है।

आर्थिक विकास और विदेशी मुद्रा भंडार

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के आर्थिक विकास की गति शानदार रही है। लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक (लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स) 2023 में 16 स्थानों के उल्लेखनीय सुधार के साथ भारत की छलांग से इसकी व्यापार दक्षता बेहतर हुई है। कुल 139 देशों वाले लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स में भारत अब 38वें स्थान पर है। यह छलांग व्यापार और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत को रेखांकित करती है। इसके अलावा, वैश्विक व्यापार का एक प्रमुख केन्द्र बनकर जहाजों के लौटने (टर्नअराउंड) में लगने वाले समय के मामले में भारत कई विकसित देशों से आगे निकल गया है। सागरमाला परियोजना के तहत बंदरगाहों की क्षमता में वृद्धि हुई है, बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ा है और बंदरगाहों की कनेक्टिविटी में सुधार हुआ है। भारत के प्रमुख बंदरगाहों पर जहाजों के लौटने (टर्नअराउंड) में लगने वाला समय 2013-14 में 93.59 घंटे से 48.65 प्रतिशत तक कम होकर 2023-24 में 48.06 घंटे हो गया है।

इसके अलावा, भारत ने एक और असाधारण उपलब्धि हासिल कर ली है। इसका विदेशी मुद्रा भंडार 700 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का हो गया है, जिससे देश वैश्विक स्तर पर चीन, जापान

और स्विट्जरलैंड के बाद चौथे स्थान पर पहुंच गया है। एक और प्रभावशाली उपलब्धि के रूप में, वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक (ग्लोबल कम्पेटिटिव्नेस इंडेक्स) 2024 में भारत का 39वें स्थान पर पहुंचना आर्थिक सुधारों पर सरकार के निरंतर ध्यान को रेखांकित करता है। इससे वैश्विक बाजार में भारत की स्थिति काफी मजबूत हुई है। पिछले दशक (अप्रैल 2014 से सितंबर 2024) में, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का कुल प्रवाह 709.84 बिलियन अमेरिकी डॉलर का रहा जोकि पिछले 24 वर्षों में कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह का 68.69 प्रतिशत है। वर्ष 2024 में, भारत चीन के बाद कच्चे इस्पात का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक बन गया। इसने मोबाइल फोन के उत्पादन में वैश्विक स्तर पर दूसरा स्थान हासिल किया, जिससे एक प्रमुख मैन्यूफैक्चरिंग केन्द्र के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई।

नवाचार के मामले में एक अग्रणी देश के रूप में उभार

वैश्विक नवाचार सूचकांक (ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स) 2024 इस प्रगति का स्पष्ट प्रमाण है, क्योंकि भारत 2015 में 81वें स्थान से आगे बढ़ते हुए 39वें स्थान पर पहुंच गया है। यह नवाचार के एक वैश्विक केन्द्र के रूप में भारत के उभार को दर्शाता है। प्रौद्योगिकी के मामले में अपने कद को और बढ़ाते हुए, भारत नेटवर्क रेडीनेस इंडेक्स 2024 में 11 स्थान ऊपर चढ़कर अब शीर्ष के 50 देशों में शामिल हो गया है। भारत को एआई से जुड़ी प्रतिभा और आईसीटी से जुड़ी सेवाओं के निर्यात में पहला, एआई से संबंधित वैज्ञानिक प्रकाशनों में पहला, एफटीटीएच की सदस्यता एवं मोबाइल इंटरनेट की ट्रैफिक के मामले में दूसरा और घरेलू बाजार के पैमाने के मामले में तीसरा स्थान दिया गया है। यह छलांग डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के सरकार के प्रयासों को रेखांकित करती है। भारत ने पेटेंट, ट्रेडमार्क और औद्योगिक डिजाइन: डब्ल्यूआईपीओ 2024 रिपोर्ट में शीर्ष 10 देशों में स्थान हासिल किया, जोकि बौद्धिक संपदा के मामले में देश के बढ़ते नेतृत्व और तकनीकी प्रगति को आगे बढ़ाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका की पुष्टि करती है। इतना ही नहीं, अमूर्त परिसंपत्ति तीव्रता (इंटैन्जबल एसेट इंटेंसिटी) के मामले में भारत वैश्विक स्तर पर सातवें स्थान पर है, जो पेटेंट और ट्रेडमार्क जैसी गैर-भौतिक परिसंपत्तियों के मामले में इसकी ताकत को रेखांकित करता है।

भारत की उच्च शिक्षा को वैश्विक पहचान

भारत में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास हुआ है। देश ने वैश्विक शैक्षणिक रैंकिंग में महत्वपूर्ण प्रगति की है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग: एशिया 2025 भारत की बढ़ती हैसियत को रेखांकित करता है और इसके सात संस्थान अब एशिया के शीर्ष 100 संस्थानों में शामिल हैं। इतना ही नहीं, जापान (115) और चीन (135) को पीछे छोड़ते हुए, 984 संस्थानों में से 162 विश्वविद्यालयों की सूची के साथ भारत लगातार दो बार क्यूएस रैंकिंग में सबसे अधिक प्रतिनिधित्व वाला देश बन गया। यह उपलब्धि विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करने और उत्कृष्ट अनुसंधान को बढ़ावा देने के प्रति देश की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। आईआईटी और आईआईएम जैसे संस्थान भारत एवं वैश्विक स्तर पर उच्च मानक स्थापित कर रहे हैं। शिक्षा से संबंधित बुनियादी ढांचे में सुधार और नवाचार को बढ़ावा देने पर दिए जा रहे ध्यान के साथ, भारत उच्च शिक्षा का एक अग्रणी केन्द्र बनने की दिशा में अग्रसर है।

भारत द्वारा साइबर सुरक्षा को प्राथमिकता

पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत में डिजिटल बुनियादी ढांचे के मामले में तेजी से विकास हुआ है। वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक 2024 में टियर 1 का दर्जा हासिल करने की इसकी उपलब्धि इस बदलाव को रेखांकित करती है। भारत ने 100 में से 98.49 अंक हासिल किए, जो इसे साइबर सुरक्षा संबंधी तत्परता के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल करता है। यह उपलब्धि व्यवसायों और नागरिकों के लिए एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण बनाने की ओर सरकार के निरंतर ध्यान को दर्शाता है। मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचे के निर्माण पर मोदी सरकार के जोर को 'डिजिटल इंडिया' जैसी पहल के माध्यम से देखा जा सकता है, जिसने न केवल इंटरनेट के प्रसार का विस्तार किया बल्कि ऑनलाइन सुरक्षा बढ़ाने के उपाय भी पेश किए। एनसीआईआईपीसी और आई4सी की स्थापना जैसे पिछले प्रयासों ने देश की साइबर सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे भारत वैश्विक साइबर सुरक्षा परिदृश्य में एक अग्रणी देश बन गया है।

लैंगिक समानता

लैंगिक समानता के मामले में भारत की उल्लेखनीय प्रगति 2022 के लैंगिक असमानता सूचकांक (जेंडर इनिक्वालिटी इंडेक्स) से स्पष्ट होती है। इस सूचकांक में भारत 2021 में 122वें स्थान से 14 पायदान ऊपर चढ़कर 108वें स्थान पर पहुंच गया है। यह प्रगति 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' जैसी पहल के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के प्रति मोदी सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह पहल शिक्षा, स्वास्थ्य संबंधी देखभाल और महिला सुरक्षा पर केन्द्रित है। वर्ष 2023-2024 तक, भारत इस दिशा में लगातार प्रगति कर रहा है और अधिक संख्या में महिलाएं श्रमशक्ति एवं राजनीतिक नेतृत्व की भूमिकाओं में योगदान दे रही हैं। अपेक्षाकृत अधिक समावेशी समाज का प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण इन बदलावों को आगे बढ़ा रहा है, जिससे यह सुनिश्चित हो रहा है कि सभी क्षेत्रों में महिलाओं के योगदान को तेजी से पहचाना व उसका समर्थन किया जा रहा है।

एक समृद्ध पर्यटन क्षेत्र

भारत का पर्यटन क्षेत्र फल-फूल रहा है। यात्रा एवं पर्यटन विकास सूचकांक (टीटीडीआई) 2024 में भारत 39वें स्थान पर है। 'अतुल्य भारत' और 'देखो अपना देश' जैसी पहलों ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक व प्राकृतिक विरासत को प्रदर्शित करते हुए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन, दोनों को बढ़ावा दिया है। वर्ष 2024 में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वदेश दर्शन और प्रसाद योजना के तहत पर्यटन क्षेत्र से जुड़ी 1400 करोड़ रुपये (168.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक मूल्य की 52 परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। एशिया पावर इंडेक्स 2024 में जापान को पछाड़कर भारत तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। यह भारत के बढ़ते क्षेत्रीय प्रभाव को दर्शाता है, जो एक्ट ईस्ट पॉलिसी और वैश्विक मंचों पर सक्रिय नेतृत्व जैसी रणनीतियों से प्रेरित है। मोदी के नेतृत्व में वैश्विक मंच पर भारत की उपस्थिति और शक्ति लगातार मजबूत हो रही है।

अमित शाह की रणनीति से नक्सलवाद पर लगाम

बीते वक्त में क्या खोया और क्या पाया, हर नए साल के साथ इसके मूल्यांकन की परंपरा है। इस लिहाज से अगर बीते हुए यानी साल 2024 का मूल्यांकन करेंगे तो कई बिंदुओं पर हमें निराशा हाथ लगेगी तो कई उपलब्धियों और कामयाबियों का भी जिक्र होगा। लाल आतंक के रूप में विख्यात नक्सलवाद पर नकेल बीते हुए साल की उपलब्धि कही जा सकती है। इसका श्रेय निश्चित तौर पर गृहमंत्री अमित शाह को जाता है, लेकिन इसमें भूमिका राज्यों की भी कम नहीं रही है।

बीते साल सुरक्षा बलों की कार्रवाई में भारी संख्या में नक्सली या तो मारे गए हैं या फिर गिरफ्तार किए गए हैं। इसके साथ ही कई नक्सलियों ने समर्पण करके मुख्यधारा की जिंदगी को अपनाया है। नक्सली आतंक पर कामयाबी के पीछे रही तीन-स्तरीय रणनीति, जिसके तहत सबसे पहले नक्सलियों पर समर्पण का दबाव बनाया गया। अगर इसके बावजूद नक्सली नहीं मानता तो उसकी पहले गिरफ्तारी के लिए रणनीति बनाई गई। इसके बावजूद अगर नक्सलवादी नहीं माने तो उनके खिलाफ निर्णायक मुठभेड़ की तैयारी की गई। इसी का असर रहा कि बीते साल अकेले छत्तीसगढ़ राज्य मे ही करीब एक हजा से ज्यादा नक्सलियों ने या तो आत्मसमर्पण किया या फिर उनकी गिरफ्तारी की गई है, जबकि करीब 287 नक्सली मारे गए। इनमें झारखंड में मारे गए नक्सलियों की संख्या सिर्फ नौ रही, जबकि सबसे ज्यादा नक्सली छत्तीसगढ़ में मारे गए। झारखंड में इसी तरह एक सैक मेम्बर, दो जोनल कमांडर, छह सब जोनल कमांडर और छह एरिया कमांडर गिरफ्तार किए गए। इन सभी नक्सलियों पर 36 लाख का इनाम घोषित था। छत्तीसगढ़ की कमर सबसे ज्यादा उस छत्तीसगढ़ में टूटती नजर आ रही है, जहां नक्सलियों कभी कांग्रेस के तकरीबन समूचे राज्य नेतृत्व को खत्म कर दिया था। छत्तीसगढ़ में करीब 867 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

नक्सलवाद के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारण नक्सल प्रभावित इलाकों में बुनियादी ढांचे की कमी को माना जाता रहा है। नक्सलवाद का समूल नाश करने के लिए मौजूदा केंद्र सरकार ने सबसे पहले इसी समस्या को खत्म करने पर जोर दिया। इसके तहत केंद्र सरकार ने विकास और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान केंद्रित किया । बस्तर समेत तमाम नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के हजारों गांवों को सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं से जोड़ा गया। इन गांवों में बुनियादी सहूलियतों को बहाल किया गया। इसकी वजह से इन इलाकों के स्थानीय निवासियों की जिंदगी की कठिनाइयां कम हुईं। इसकी वजह से उन्होंने विकास की धारा को अपनी आंख से देखा और भारतीय राष्ट्र राज्य के बारे में उनकी धारणा बदली। इस धारणा को बदलने के बाद सुरक्षा बलों के लिए नक्सलियों को रोकने के लक्ष्य में बड़ी सफलता मिली। नक्सलियों को लोक समर्थन कम हुआ।

इसके साथ ही सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए आर्थिक सहायता और पुनर्वास योजनाओं की शुरुआत की। इसके तहत 15,000 आवास बनाने का फैसला लिया गया, साथ ही नक्सल प्रभावित इलाकों में रोजगार को लेकर विशेष योजनाएं चलाई गईं। इससे न केवल हिंसा में कमी आई , बल्कि स्थानीय लोगों की जिंदगी की दुश्वारियां कम हुईं। इसकी वजह से उन लोगों का मन बदला, जो माओवाद की राह पर नक्सलवादी वैचारिक बहकावे में चल पड़े थे। बुनियादी ढांचा सुधारने, रोजगार की स्थितियां बेहतर बनाने और विकास की धारा को बहाने के बावजूद लंबे समय से नक्सल प्रभावित रहे लोगों के लिए मुख्यधारा में लौटना या मुख्यधारा के प्रति भरोसा बनाना बिना सुरक्षा सुनिश्चित किए संभव नहीं था। सरकार ने इस मोर्चे पर भी काम किया और सुरक्षा बलों की प्रभावी उपस्थिति हर संभव स्तर पर की।

नक्सल प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य और शिक्षा सहूलियत को बढ़ावा देने के लिए युद्धस्तर पर कार्यक्रम चलाए गए। पहले इन इलाकों के लिए स्कूल और अस्पताल सपना थे, लेकिन अब हालात बदल रहे है। इसके साथ ही, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की स्थापना भी की गई है। जहां आदिवासी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। इससे भी नक्सल प्रभावित इलाकों के लोगों का मन बदला है। स्थानीय समुदायों का सहयोग इस अभियान की सफलता का एक महत्वपूर्ण पहलू रहा है। अमित शाह ने प्रभावित क्षेत्रों में जनता से सीधे संवाद स्थापित किया है। ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया है, जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर हुआ है। स्थानीय सुरक्षा बलों को मजबूत करते हुए उनकी मदद से नक्सलवाद को कमजोर किया गया है। इन प्रयासों ने न केवल जनता का विश्वास जीता है, बल्कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति और स्थिरता लाने में भी मदद की है।

इस बीच नक्सलियों पर गहन निगाह रखने के लिए जहां खुफिया तंत्र को मजबूत बनाया गया, वहीं उनकी निगाहबानी के लिए तकनीक का भी खूब सहारा लिया जा रहा है। ड्रोन जैसी तमाम तकनीकों के जरिए जहां माओवादियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है, वहीं सटीक सूचनाओं के चलते उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने में भी आसानी हुई है। इसके साथ ही नक्सलियों के लिए की जा रही परोक्ष और अप्रत्यक्ष फंडिंग पर नकेल कसी गई है। हालांकि सरकार के इस कदम को लेकर राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना झेलनी पड़ी है। लेकिन केंद्र सरकार ने अपना रूख नहीं बदला। इससे नक्सलियों की आर्थिक रीढ़ कमजोर हुई है।

गृहमंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। नक्सलवाद पर नकेल कितना कारगर रहा है, इसका ही असर है कि देश के अब सिर्फ 38 जिले ही नक्सल प्रभावित माने जा रहे हैं, जबकि पहले ऐसे जिलों की संख्या 120 से अधिक थी। नक्सलवाद से जुड़े सिमटते आंकड़े ही बता रहे हैं कि केंद्र सरकार की नक्सलविरोधी रणनीति की दिशा सही है। सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 15,000 से अधिक आवास बनाए जा रहे हैं। जिनमें विस्थापित परिवारों को रहने की सुविधा दी जा रही है।

नक्सलवाद से विस्थापित परिवारों के लिए राहत शिविर भी बनाए गए हैं। समर्पण कर चुके नक्सलियों और नक्सल प्रभावित इलाके के के लोगों को रोजगार दिलाने के लिए कौशल विकास केंद्रों की स्थापना की गई है, जहां आत्मसमर्पण करने चुके नक्सलियों को उनकी रूचि वाले कारोबार और व्यवसाय के प्रशिक्षित किया जाता है। साथ ही रोजगार मेले भी आयोजित किए जाते रहे। जिनके जरिए सरकारी और निजी, दोनों ही क्षेत्रों में रोजगार मुहैया कराया जा रहा है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को आर्थिक सहायता के साथ ही बैंकों से कर्ज भी आसान दर पर दिलवाया जा रहा है। केंद्र सरकार की इन योजनाओं को लागू करने में सरकार ने श्रीलंका और कोलंबिया जैसे देशों में अपनाई गई पुनर्वास नीतियों का भी असर है। दरअसल वहां की योजनाओं के अध्ययन के बाद उन्हें भारतीय संदर्भ में तैयार किया गया है। अब तक आदिवासियों से केंद्रीय नेतृत्व बात करने से बचता रहा है। लेकिन अमित शाह ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय समुदायों के साथ संवाद स्थापित करने पर जोर दिया है। इसकी शुरूआत उन्होंने छत्तीसगढ़ में महुआ के पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर की, जहां उन्होंने खुद ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उन्हें सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया।

जन-जन के गौरीशंकर भाऊ

हेमेन्द्र क्षीरसागर

शिक्षा, कृषि, श्रमिक और युवाओं, महिलाओं, आमजनों की समस्याओं से अच्छी तरह वाकिफ आम आदमी की तरह सहज, सरल-शैली, व्यक्तित्व व कृत्तिव और अस्तित्व। जन-रागात्मकता से युक्त ठेठ देशी अंदाज में अपनी बात रखने वाले पूर्व कैबिनेट मंत्री, पूर्व राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग अध्यक्ष, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक गौरीशंकर बिसेन का बचपन से ही गांव की माटी व शहरों की गलियों से गहरा नाता रहा। शोषित, वंचित और पीड़ितों को ठगते निरंकुश-तंत्र के खिलाफ अपनाते बगावती तेवर ने ही अंतस में विद्यमान नेतृत्व क्षमता को जगाने में मुख्य भूमिका निभाई। सही मायनों में ये छोटे-छोटे लोगों के बड़े-बड़े कामों को अमलीजामा पहनाने के कारण ही आम लोगों के खास हैं। अपने धुन के पक्के जन-जन के गौरी भाऊ ने सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास अर्जित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। कालजयी, अटल पथ के फक्कड़ पथिक, गौरी भाऊ राजनैतिक अस्पृश्यता के दौर में सर्व समाज और सर्वदल में सर्वग्राही बने हुए हैं। तभी तो सभी सर्वमन से कहते हैं, जननायक, गौरी भाऊ यथा दूजा कोई नहीं।

शुचिता की राजनीति : फलस्वरूप, साफगोई नीति, नैतिकता और शुचिता की राजनीति के अजातशत्रु गौरी भाऊ को वर्ष 2008 में प्रदेश के मुख्यमत्री शिवराज सिंह चौहान ने हर घर नल, हर घर जल और ब्याज जीरो, किसान हीरो की परणिति के बोध से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के साथ-साथ सहकारिता विभाग के मंत्री का दायित्व सौंपा था। इस जवाबदेही को जनहित में सफलता पूर्वक निभाने के उपरांत आप 2013 में कृषक कल्याण व कृषि विकास मंत्री के तौर पर खेती को लाभ का धंधा बनाने के अभिप्राय जी-जान से जुटे रहे। परिलच्छित, देश के राष्ट्रपति ने प्रदेश को पांचवी बार 'कृषि कर्मण अवार्ड' से सम्मानित किया। अभिभूत देश में प्रदेश की कृषि की विकास दर क्षितिज पर आसिन होना श्री बिसेन के लक्ष्यभेदी अभियान का प्रतिफल हैं। 2023 में मां नर्मदे की सेवा करने का अवसर नर्मदा घाटी विकास मंत्री का दायित्व उन्हें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सौंपा था।

जनसरोकार अविरल: अपने कार्यकाल के दौरान गौरीशंकर बिसेन ने एक स्वप्नदृष्टा की सराहनीय भूमिका निभाते हुए जिले और प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। अविरल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, सिंचाई, पेयजल, आवागमन, ब्रॉडगेज व्यपवर्तन, समेत अनेकानेक ग्रामीण विकास और नगरीय विकास के कार्यों में उन्होंने अपनी अनूठी छाप छोड़ी। बतौर ऑक्सीजन प्लांट, सीटी स्कैन सहित अन्य उपकरणों की उपलब्धता, बिस्तरों का विस्तारीकरण, जगह-जगह उप स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ केंद्रों की स्थापना, खेल मैदान, जलाशयों का निर्माण, सरेखा, गर्रा, भटेरा चौकी रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे ब्रिज निर्माण की स्वीकृति सहित प्रत्येक गांव को दोनों ओर से पक्की सड़क से जोड़ने जैसे जनसरोकार की गाथा अविरल है।

जनसेवा धेय्य: लिहाजा, 01 जनवरी 1952 को बालाघाट जिले के ग्राम लेंडेझरी में जन्में मध्यमवर्गीय किसान चतुर्भुज बिसेन और माता सुशिला बिसेन के सुपुत्र गौरीशंकर बिसेन ने एमएससी की उपाधि विशेष श्रेणी में हासिल की। शासकीय सेवा को न चुनते हुए, जनसेवा को अपना धेय्य माना। चैतन्य, 1970 के दशक में उत्पन्न राजनीतिक हालातों में जनसंघ और बाबू जयप्रकाश नारायण के विचारों से प्रभावित होकर समग्र क्रांति जनांदोलन में अपनी शक्ति को निरंकुशता के खिलाफ प्रदर्शन में झोंक दिया। समकालिन जनप्रिय इस युवा संघर्षशील नेता ने नेतृत्व को अपनी प्रतिभा का एहसास कराया। सिलसिलेवार, गौरी भाऊ अपने कुशल उत्तरदायित्व निर्वहन, उत्कृष्ट कार्य व मिलनसारिता से मान्य नेतृत्व को प्राप्त करते हुए लगातार फतेह हासिल की। सन् 1985, 1990, 1993, 2003, 2008, 2013 और 2018 में बालाघाट विधानसभा से विधायक चुने गए। 1998 एवं 2004 में आपने बालाघाट लोकसभा क्षेत्र सहित विभिन्न महत्वपूर्ण समितियों का सर्वस्पर्शी, अद्वितीय प्रतिनिधित्व किया।

योगदान अविस्मरणीय : अगुवाई में बालाघाट जिले ही नहीं अपितु सारे सुबे में जन कल्याण और विकास मूलक आयामों की बयार बहीं, जिसकी गाथा अगाथ हैं। वहीं विभिन्न संगठनों के दायित्व को निभाते हुए जनता-जर्नादन की समस्याओं को प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर उठाकर अपनी अद्भुत संगठन क्षमता का विलक्षण परिचय भी दिया। पदचिन्हों पर आरूढ़ आपकी धर्मपत्नी श्रीमती रेखा बिसेन ने दो बार जिला पंचायत बालाघाट के अध्यक्ष के दायित्व को अतुलनीय निभाया।

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

खास खबर

वतन मेरा घर 21 दिवसीय योग तपस्या कार्यक्रम का हुआ उद्घाटन

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा नये वर्ष में 1 से 21 जनवरी 2025 तक स्वउन्नति हेतु संचालित किए जाने वाले अव्यक्त मास 21 दिवसीय योग तपस्या कार्यक्रम वतन मेरा घर का आज सेक्टर 7 स्थित अंतर्दिशा भवन के पीस ऑडिटोरियम में ब्रह्माकुमारी दीदियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर विधिवत शुभारम्भ किया गया। भिलाई सेवाकेंद्रो की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी जी ने वतन मेरा घर योग कार्यक्रम के संदर्भ में बताते हुए कहा कि परमात्मा शिव के रहने का धाम अर्थात परमधाम, जहां पर हम मन के द्वारा पहुंच सकते है। मन की एकाग्रता द्वारा हम जितना इसका अभ्यास करेंगे। हमारे अंदर उस परमधाम निवासी परमात्मा की शक्तियां प्रवाहित हो स्वयं तथा हमारे द्वारा दूसरों का भी परिवर्तन होकर प्रकृति के पांचों तत्वों को भी सुख शांति की प्राप्ति होती है। इसलिए इस वतन मेरा घर योग कार्यक्रम पूरे जोन में एक साथ प्रारंभ हुआ है। एक साथ संगठित रूप से 21 दिनों तक इस योग को करने से मेहनत कम सफ्लता ज्यादा रहती है। वतन मेरा घर योग तपस्या कार्यक्रम की अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र पर सम्पर्क कर सकते है।

चंदूलाल चंद्राकर के प्रयास से कांग्रेस चुनावी घोषणा पत्र में शामिल हुआः कुरैशी

भिलाई। छत्तीसगढ राज्य के पूर्व मंत्री बदरूदीन कुरैशी ने चंदूलाल चंद्राकर जी की जयंती के अवसर पर सुपेला ट्राफिक्र चैक इटक यूनियन आफिस सेक्टर-6 में चंद्राकर समाज के साथ मिलकर प्रतिमा में माल्यअर्पण कर चंदूलाल चंद्राकर अमर रहे का नारा लगाते हुए माल्यअर्पण किया उनके किये हुए कार्यो को स्मरण किया छत्तीसगढ राज्य बनााने में अहम रोल रहा जिसको भूलाया नहीं जा सकता। सन् 1970 में दुर्ग लोकसभा क्षेत्र से उपचुनाव जीतकर चंदूलाल चंद्राकर पहली बार सांसद बने वे लोकसभा हेतु पॉच बार निर्वाचित हुए नागरिक उड्डयन, पर्यटन, कृषि एवं ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री का दायित्व संभालते हुए सन् 1992 में छत्तीसगढ राज्य बनाने का संकल्प लिया और छत्तीसगढ के सभी जिलों, पंचायतों में छत्तीसगढ राज्य संघर्ष समिति बनाकर जिला स्तर पर सर्वदलीय मंच का गठन किया और प्रत्येक जिले में छत्तीसढ संघर्ष समिति के बैनर में पूरे छत्तीसगढ में आंदोलन किया और इसी बीच चुनाव की घोषणा हुई और दिल्ली में अर्जुन सिंह से मिलकर प्रदेश चुनाव समिति में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की तरफसे मध्यप्रदेश के चुनावी घोषणा पत्र में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद छत्तीसगढ राज्य बनाये जाने की घोषणा की। और मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी और श्री दिग्विजय सिंह जी मुख्यमंत्री बने और चुनावी घोषणा पत्र के मुताबिक विधानसभा में छत्तीसगढ राज्य बनाने की सर्वसहमति से विधानसभा में प्रस्ताव पास किया गया सभी दल के लोगों ने समर्थन किया और छत्तीसगढ राज्य बना। कार्यक्रम में अजय चंद्राकर, पवन चन्द्राकर, गजेन्द्र चंद्राकर, कमल चन्द्राकर, गया वर्मा, भुवनेश्वर वर्मा, सतानंद चंद्राकर, वेदचंद्राकर, भगवान शर्मा, समयलाल साहू, मदन चंद्राकर, कलेश्वर चंद्राकर, राजेश कौशिक आदि लोग उपस्थित थे।

संयंत्र के निदेशक प्रभारी ने नववर्ष के साथ किया 'सुरक्षा सजगता माह-2025' का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी, अनिर्बान दासगुप्ता ने नववर्ष के पहले दिन, इस्पात भवन परिसर में सुरक्षा ध्वज फहराकर, संयंत्र बिरादरी को नववर्ष की शुभकामनाएं दी और सुरक्षा जागरूकता माह का शुभारंभ किया। सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए उन्होंने सभी कर्मचारियों से सुरक्षित कार्य करने का आग्रह किया। प्रतिवर्ष जनवरी महीने को सुरक्षा जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। ध्वजारोहण के पश्चात् कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को महाप्रबंधक प्रभारी एस के अग्रवाल ने सुरक्षा शपथ दिलवाई।

इसके उपरांत, अनिर्बान दासगुप्ता एवं उपस्थित कार्यपालक निदेशकों ने, सुरक्षा अभियाँत्रिकी विभाग द्वारा तैयार किये गए सेफ्टी ऑडिट शेडयूल कैलेंडर का विमोचन किया। तत्पश्चात अनिर्बान दासगुप्ता द्वारा सुरक्षा सजगता माह जनवरी-2025 के शुभारंभ के प्रतिक के रूप में आसमान में गुब्बारे उड़ाये गए।

इस अवसर पर संयंत्र के कार्यपालक निदेशक प्रभारी अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक अजय कुमार चक्रबर्ती, कार्यपालक निदेशक डॉ अशोक कुमार पंडा, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक बी के गिरी, कार्यपालक निदेशक डॉ एम रविन्द्रनाथ, कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार एवं कार्यकारी कार्यपालक निदेशक अरुण कुमार उपस्थित थे। साथ ही ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सेफ्टी चेयरमैन एन के बंछोर, महासचिव परविंदर सिंह सहित संयंत्र के विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी, मुख्य महाप्रबंधकगण, वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारीगण, विभिन्न श्रमिक संगठनो के पदाधिकरीगण और प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा, कि संयंत्र मे विभिन्न विभागों एवं परियोजनाओं के क्षेत्र मे कार्यरत सभी नियमित एवं ठेका श्रमिकों की सुरक्षा हम सभी के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से सुरक्षित कार्य प्रणाली के प्रोटोकॉल को अपनाते हुए हर क्षेत्र में सुरक्षित कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा, हम किसी भी कर्मी के जीवन की कीमत पर एक टन भी इस्पात का उत्पादन नहीं चाहते हैं। हमारी सजगता ही संयंत्र की सुरक्षा का मंत्र है। सभी ठेका श्रमिकों को सुरक्षा सजगता कार्यक्रम एवं क्यू कार्ड की जानकारी निरंतर दी जानी चाहिए और ठेकेदार द्वारा सुरक्षा प्रबंधन का पालन अनिवार्य रुप से किया जाना चाहिए। दुर्घटनाओं को पूर्णतः रोकने के लिए असुरक्षित क्रियाकलापों, असुरक्षित परिस्थितियों एवं नियर मिस की रिपोर्टिंग जारी रखनी होगी और उनसे प्राप्त सुझावों पर तत्काल अमल करना होगा। मेरी आप सभी से यही अपेक्षा है कि आप सुरक्षा के क्षेत्र में उद्देश्यपूर्ण प्रयास जारी रखते हुए सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली को और अधिक मजबूती प्रदान करें। दुर्घटना मुक्त उत्पादन के लिए हमें ''सुरक्षा संस्कृतिः सुरक्षा आज, कल और अनवरत'' के सिद्धांत को अपनाना होगा। ''दुर्घटना रहित सुरक्षित कार्य संस्कृति'' हम सभी का लक्ष्य है। सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि, भिलाई बिरादरी सुरक्षा व स्वास्थ्य मानकों तथा दिशा-निर्देशों का पालन करते हुये दुर्घटना रहित उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करने में शत-प्रतिशत सफ्ल होगी। कार्यक्रम का संचालन, सुरक्षा अभियाँत्रिकी विभाग के सहायक प्रबंधक श्री सूरज वर्मा द्वारा किया गया। इसी कड़ी में जनवरी माह में, संयंत्र स्तर पर विभिन्न विभागों में सुरक्षा कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। माह के अंत में नेहरू आर्ट गैलरी, सिविक सेंटर, भिलाई में एक सुरक्षा सम्बंधित प्रदर्शनी का आयोजन भी प्रस्तावित है।

इसके उपरांत, कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार ने वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में, संयंत्र भवन में भी सुरक्षा ध्वज फ्हराया। साथ ही उन्होंने सभी कर्मचारियों से सुरक्षित कार्य करने का आग्रह किया। इस दौरान सभी उपस्थित अधिकारीयों और कर्मचारियों द्वारा सुरक्षा शपथ भी ली गई। परियोजना विभाग द्वारा एक्सपांशन ब्लिडिंग में 01 जनवरी, 2025 को सुरक्षा जागरूकता माह का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) सुब्रत मुखोपाध्याय ने एक्सपांशन ब्लिडिंग में सुरक्षा जागरूकता माह-2025 के एक महीने तक चलने वाले आयोजन का उद्घाटन किया।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना रजिस्ट्रेशन के साथ साथ, घर-घर आयुष्मान कार्ड भी बनाया जाएगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के आदेश और कमिश्नर सुमित अग्रवाल के निर्देश पर नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र के अंतर्गत क्रमांक अनुसार सभी वार्डों में शिविर के माध्यम से या घर-घर जाकर शेष बचे हितग्राही एवं 70+ वर्ष की आयु के बाद वाले का आयुष्मान कार्ड के साथ- साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का आवेदन भराये जाने के लिए DAY-NULM योजनांतर्गत कार्यरत् सामुदायिक संगठकों की ड्यूटी 08 वार्डो में दिनांक 01 एवं 03 जनवरी 2025 को ड्यूटी लगाई गई है।सिटी मिशन प्रबंधक मुक्तेश कान्हे एवं मनीष कुमार त्रिपाठी की ड्यूटी मानिटरिंग कर समय-समय पर दिये गये निर्देश के पालन करेंगें।

बता दे कि वार्ड क्रमांक 39 कचहरी वार्ड,पोटिया कला दक्षिण वार्ड 54,मोहन नगर वार्ड क्रमांक 12 पश्चिम,नया पारा वार्ड क्रमांक 01,सिविल लाइन वार्ड क्रमांक उत्तर 47,कसारिडीह पश्चिम वार्ड क्रमांक 42 के अलावा शहीद भगत सिंग उत्तर वार्ड क्रमांक 20 सहित स्टेशन पारा वार्ड क्रमांक 22 में शिविर के माध्यम से या घर-घर जाकर शेष बचे हितग्राही एवं 70+ वर्ष की आयु के बाद वाले का आयुष्मान कार्ड के साथ- साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का आवेदन भराया जाएगा।पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के रजिस्ट्रेशन साथ साथ, घर -घर आयुष्मान कार्ड का भी बनाया जाएगा।

निगम भिलाई के 5 अधिकारी, कर्मचारियों को दी गई बिदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में 62 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके 2 अधिकारी एवं 3 कर्मचारियों को ससम्मान बिदाई दी गई। मुख्य कार्यालय सभागार में मंगलवार को निगम प्रशासन की ओर से अधिकारी/कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह, शॉल और श्रीफ्ल भेंट करते हुए सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना किये।

इसके पूर्व सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों ने भिलाई निगम में सेवाकाल के दौरान कार्य एवं अनुभव को साझा करते हुए बी.के.वर्मा ने कहा हम सब पूर्व साडा के समय से विभिन्न विभागो में कार्य करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन किए। हम सबको गर्व है अपनी क्षमता के अनुसार कार्य किए।

नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने संयुक्त संचालक क्षेत्रीय कार्यालय दुर्ग में पदस्थ अधीक्षण अभियंता सतीश कुमार वर्मा, जोन क्रमांक-3 से कार्यपालन अभियंता बी.के. वर्मा, हेल्पर/क्लीनर अनिल देशमुख, जोन क्रमांक-2 से पम्प सहायक पूषण लाल देशमुख एवं वाहन चालक श्री झग्गर राम यादव को निगम प्रशासन की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान किये। आयुक्त पाण्डेय ने उपस्थित अधिकारियो एवं कर्मचारियो से कहा कि हमारा पूरा प्रयास है, कि आप लोगो को देय राशि समय पर मिल जाए। हम सब प्रयास कर रहे है। किसी भी प्रकार की आवश्यकता होने पर सेवानिवृत्त अधिकारी/कर्मचारी हमसे बेजिझक आकर मिल सकते और अपनी समस्या बता सकते है। अंत में सभी कर्मचारियो को निगम के सभागार में 31 दिसम्बर 2024 को बिदाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आने वाले नववर्ष 2025 की शुभकानाएं दी गई। बिदाई कार्यक्रम में उपायुक्त, अधीक्षण अभियंता, जोन आयुक्त, कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, उपअभियंता, स्वास्थ्य अधिकारी, जोन के अधिकारी/कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

आयुक्त ने विभागों में जाकर नववर्ष की बधाई दी, अच्छे से कार्य करने किया प्रेरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में नववर्ष को सभी अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा स्वयं जाकर आयुक्त को बधाई देने की परंपरा रही है। इस बार आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय स्वयं जाकर सभी विभागों के अधिकारी/कर्मचारियो को नववर्ष 2025 की शुभकामनाएं दी।

सभी कर्मचारियो से क्या काम करते हो, किस प्रकार का कार्य चल रहा है आदि के बारे में बातचीत किए। राजस्व, संपत्तिकर विभाग के अधिकारी/कर्मचारियो को अधिक से अधिक राजस्व बढ़ाने को कहा। जिससे निगम की आर्थिक स्थिति ठीक हो, कर्मचारियो से संबंधित सभी भुगतान एवं अन्य भुगतान समय पर हो सके। नववर्ष में हम सब संकल्प ले, कार्यालय समय पर आये अपने कार्यो को निष्पादन करें। जनता के साथ सदभाव के साथ बातचीत करें। सभी को उनके प्रश्नो का उत्तर मिलना चाहिए।

मुख्य कार्यालय के काउंटर शाखा में जाकर देखा, कि वहां पर बुर्जुगो, दिव्यांगो आदि के बैठने के लिए कुर्सी की व्यवस्था नहीं है। इसके लिए भवन संधारण के दौलत चंद्राकर को आगन्तुको के आने पर काउंटर के पास बैठने की व्यवस्था शीध्र करने को कहा। प्रधानमंत्री आवास योजना जनता से जुड़ा हुआ प्रमुख विभाग है सभी को समय अवधि में सभी प्रक्रियाओ को करते हुए मकान प्रदान करने के लिए निर्देशित किए। महापौर नीरज पाल ने भी सभी अधिकारी/कर्मचारियों से नववर्ष में मिले और सबको शुभकामनाएं देते हुए कहे कि सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओ को लोगो तक पहुंचाना है। जो भी जनता विभाग में अपने कार्य के लिए आये उसको हर चीज की जानकारी अच्छे से दिया जाये। जिससे उसको दुबारा आने की आवश्यकता न पड़े, वह संतुष्ट होकर जाए। हम सब जनता के सेवक है।

गुरुदेव रतन मुनि का द्वितीय पुण्य स्मृति दिवस गुणानुवाद के रूप में मनाया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ प्रवर्तक गुरुदेव श्री रतन मुनि जी महाराज का द्वितीय पूर्ण स्मृति दिवस गुरु रतन धाम मंगलम साधना केंद्र में आध्यात्मिक वातावरण में चतुर्विद संघ के सानिध्य में मनाया गया उप प्रवर्तक डॉक्टर सतीश मुनि, केवल धाम से पधारे संत ऋषभ सागर जी साध्वी डा प्रियदर्शना श्रीजी साध्वी डॉक्टर सुमंगल प्रभा जी के सानिध्य में मनाया गया। आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद विजय बघेल विशेष रूप से उपस्थित थे।

गुरु रतन के नाम आयोजित धर्म सभा को संत ऋषभ सागर जी सतीश मुनि जी डॉक्टर प्रियदर्शना जी साध्वी सुमंगल प्रभा जी एवं साध्वी सुप्रज्ञति श्री ने धर्म सभा को गुरु रतन के साथ व्यतीत किए गए समय का संस्मरण सुनाते हुए अनेक रोचक जानकारी गुरुदेव के संदर्भ में आयोजित सभा में संत समुदाय ने कहा एक जीव अंधेरे से जन्म लेता है।

अंधेरे में ही अपना जीवन समाप्त कर देता है एक जीव अंधेरे में जन्म लेता है और प्रकाश के वातावरण में अपना जीवन समाप्त कर देता है और एक जीव प्रकाश में जन्म लेता है और प्रकाश के वातावरण में ही सब कार्य करते हुए अपना जीवन प्रकाश में समर्पित कर देता है।

बड़े बकायादरों के यहां पहुंचे कमिश्नर, कहा-जल्द टैक्स अदा करे नहीं तो कार्रवाही के लिए तैयार रहें

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कमिश्नर सुमित अग्रवाल अधिकारी/कर्मचारियो के संग स्वरूप टॉकीज का आकस्मिक निरीक्षण करने मौके पर पहुँचे।उन्होंने टॉकीज के मैनेजर को बकाया टैक्स जल्द से जल्द भुगतान करने की बात कही। उन्होंने 4ह्लद्ध सिजन होटल का भी निरीक्षण किया। उन्हें भी बकाया टैक्स जल्द भुगतान करने निर्देश दिए।इस मौके पर सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर,संजय मिश्रा,जलकार्य निरीक्षक राजू चन्द्राकर ,अनिल करिहार उस वार्ड के सहायक राजस्व निरीक्षक सहित टीम अमला मौजूद रहें।

बड़े बकायादार समेत सभी पटा रहित टैक्स निगम कमिश्नर के निर्देश पर चल रहा अभियान, रोजाना हो रही है समीक्षा नगर निगम की सख्ती का असर दिखने लगा है, अब तक सालों से संपत्ति समेत अन्य टैक्स नहीं पटाने वाले बड़े बकायादार भी अपना टैक्स नगर निगम दुर्ग के काउंटर में आकर जमा कर रहे हैं।नगर निगम के आय का एक बड़ा स्त्रोत राजस्व है, जिसकी धीमी वसूली और करदाताओं द्वारा नहीं देने पर निगम पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा था।

निगम कमिश्नर सुमित अग्रवाल ने राजस्व वसूली को प्राथमिकता में रखने के निर्देश देते हुए सभी जोन को वृहद स्तर पर लगातार अभियान चलाने के निर्देश दिए।इसके तहत ऐसे बड़े बकायादार जिन्होंने सालों से टैक्स जमा नहीं किये है और राशि भी बड़ी है उनसे सख्ती के साथ वसूलने के भी निर्देश दिए थे। जिसके बाद राजस्व वसूली में तेजी आई है,निगम कमिश्नर द्वारा राजस्व वसूली की रोजाना समीक्षा की जा रही है।

निगम द्वारा लगातार लोगों से अपील की जा रही है कि वह अपना टैक्स जमा कर दें इसके बावजूद निगम के करदाता टैक्स जमा करने को लेकर निगम प्रशासन के आदेशों को हल्के में लेते हुए दिखाई दे रहे हैं और निगम का टैक्स जमा नहीं कर रहे। मजबूरन नगर निगम दुर्ग को ऐसे करदाताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को मजबूर होना पड़ेगा।

एनईपी 2020 प्रथम सेमेस्टर परीक्षा 22 जनवरी से प्रारंभ

भिलाई। हेमचंद यादव विष्वविद्यालय, दुर्ग में स्नातक प्रथम सेमेस्टर 2024-25 की परीक्षाए 22 जनवरी 2025 से प्रारंभ हो रही है। इस परीक्षा हेतु बीए, बीकॉम, बीएससी, बीएससी गृह विज्ञान, बीबीए, बीसीए जैसे पाठ्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत नियमित एवं स्वाध्यायी दोनों वर्ग के छात्रों के लिए समय-सारिणी घोषित की जा चुकी है। परीक्षार्थी विष्वविद्यालय की अधिकृत वेबसाइट का अवलोकन कर सकते है। आगे जानकारी देते हुए विष्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव, दिग्विजय कुमार ने बताया कि उक्त परीक्षाएं दो पालियों में आयोजित की जा रही है।

नए साल के आगमन पर राजधानी के दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में उमड़ी भीड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नव वर्ष के आगमन की सभी ओर धूम मची है। सभी अपने-अपने तरीके से नववर्ष का स्वागत कर रहे है। नववर्ष 2025 के अवसर पर शहर के दिगंबर जैन मंदिरों एवं काफी भीड़ आज देखने को मिली है।

मीडिया प्रभारी प्रणीत जैन ने बताया कि आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर(लघु तीर्थ) रायपुर के प्राचीन मंदिरों में एक है जो कि लगभग 120 वर्ष पुराना है। प्राचीन और बड़ा मंदिर होने के कारण यहां की मान्यता बाकी मंदिरों से ज्यादा है। और समाधिस्थ आचार्य विद्यासागर महाराज के मंगल आशीर्वाद से वर्ष 18 दिसम्बर 2023 को उनके रायपुर प्रवास के दौरान बड़ा मंदिर का जीर्णोद्धार कर नवीन मंदिर का निर्माण लघु तीर्थ के रूप में बनाने का आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन हम राजधानी वासियों को प्राप्त हुआ था।

लघु तीर्थ संकल्प हेतु जिनालय के मूलनायक आदिनाथ भगवान की बेदी के समक्ष अखंड ज्योत भी प्रज्वलित की गई है। जो कि विगत 1 वर्ष से निरंतर प्रज्वलित है। नव वर्ष 2025 के शुभ अवसर पर जिनालय में प्रातः काल से ही धर्म प्रेमी बंधु श्रावक गणों की भीड़ लगी रही। आज के शुभ अवसर पर जिनालय की पार्श्वनाथ भगवान की बेदी के समक्ष समस्त विश्व में शांति, समृद्धि एवं जन कल्याण हेतु अभिषेक, शांति धारा,पूजन का आयोजन आध्यात्मिक प्रयोगशाला के माध्यम से किया गया। सुबह 8.30 बजे सभी ने शुद्ध धोती दुपट्टे धारण कर मंगलाष्टक पढ़ कर जगत कल्याण हेतु शांतिनाथ भगवान को पांडुशिला में विराजमान किया। अभिषेक पाठ का स्तवन कर सभी ने प्रासुक जल से रजत कलशों से भगवान का जलाभिषेक किया।जल अभिषेक उपरांत समस्त विश्व में शांति समृद्धि जनकल्याण निमित्त रिद्धि सिद्धि सुख शांति प्रदाता शांति धारा मंत्रोच्चार सम्पूजकानां प्रतिपालकानां,यतीन्द्र-सामान्य-तपोधनानाम्। देशस्य राष्ट्रस्य पुरस्य राज्ञः, करोतु शान्तिं भगवान् जिनेन्द्र के साथ की गई। आज की शांति धारा करने का सौभाग्य अशोक जैन एवं सौमिल जैन द्वारा की गई। शांति धारा पश्चात भगवान की संगीतमय मंगलमय आरती भी भक्ति भाव से सभी ने की। आज अष्ट द्रव्यों से निर्मित अर्घ्य चढ़ा कर सभी ने देव शास्त्र गुरु पूजन एवं शांति नाथ भगवान का पूजन किया अंत में शांति पाठ पढ़ कर पूजन समाप्त किया। आज के कार्यक्रम में विशेष रूप से मैनेजिंग ट्रस्टी नरेंद्र जैन गुरु कृपा, श्रेयस जैन बालू,दिलीप जैन कोषाध्यक्ष, सुजीत जैन सचिन, प्रवीण जैन, प्रदीप जैन कुरा वाले,रासु जैन,किशोर जैन,राज जैन, अशोक जैन,सौमिल जैन,कीर्ति जैन,मनीष जैन,राजेश रज्जन जैन एवं मीडिया प्रभारी प्रणीत जैन उपस्थित थे।

खास खबर...

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने खेला क्रिकेट

रायपुर। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने क्रिकेट खेला। पूज्य शदाणी दरबार तीर्थ, रायपुर में आयोजित वार्षिक खेल उत्सव 2024-25 के समापन समारोह में शामिल हुई। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा इस भव्य उत्सव में महिला क्रिकेट, बैडमिंटन, कबड्डी, रस्सी खींच, रस्सी कूद जैसी खेल प्रतियोगिताओं के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी को आनंदित किया।

वर्तमान पीठाधीश पूज्य संत डॉ. युधिष्ठिर लाल और गुरूमाता पूज्य दीपिका शदाणी के आशीर्वाद व मार्गदर्शन में यह आयोजन शदाणी युवा मण्डल, रायपुर द्वारा अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। खेल और संस्कृति के इस सुंदर संगम ने समाज को एकता और उत्साह का संदेश दिया। सभी विजेताओं, प्रतिभागियों एवं आयोजकों को इस अद्भुत आयोजन के लिए हार्दिक बधाई।

श्री श्याम महोत्सव 5 जनवरी को

रायपुर। श्री श्याम परिवार सेवा समिति द्वारा श्री श्याम खाटू वाले का श्री श्याम महोत्सव - 2025 का आयोजन 5 जनवरी को श्री रामनाथ भीमसेन सभा भवन समता कालोनी में किया गया है। इस उत्सव में भजन गायक भक्ति गीत की प्रस्तुति देंगे। इनमें प्रमुख रुप से साक्षी अग्रवाल, अंकिता शर्मा, संदीप अग्रवाल, राहुल सांवरा, सुरेश राजस्थानी, प्रियांशु मित्तल, टीनू शर्मा एवं वरुण शर्मा शामिल हैं।

कमिश्नर महादेव कावरे ने डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने ली बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर कमिश्नर महादेव कावरे ने आज चिकित्सा कर्मियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों की बैठक ली। कमिश्नर कावरे ने चिकित्सा संस्थाओं में चिकित्सा कर्मियों की सुरक्षा के लिये बने राज्य कानूनों और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं का विवरण, जिसमें उल्लंघन के लिये दंड का स्पष्ट रूप से उल्लेख हो, प्रमुख स्थानों पर स्थानीय, हिन्दी, एवं अंग्रेजी भाषा में प्रदर्शित करने और सभी कर्मचारी, मरीज और आगंतुक इसके प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए।

कमिश्नर ने चिकित्सालयों में वरिष्ठ चिकित्सकों और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों के माध्यम से एक अस्पताल सुरक्षा समिति और हिंसा रोकथाम समिति का गठन करने और समितियों को स्वास्थ्य संस्थाओं के परिसर में व्यापक सुरक्षा उपायों की योजना बनाने और उन्हें लागू करने का उत्तरदायी सौंपने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने चिकित्सा संस्थाओं में आम जनता और मरीजों के रिश्तेदारों के प्रवेश को सख्ती से नियंत्रित करने और आंगतुक-पास नीति को कड़ाई से लागू के निर्देश दिए।

साथ ही स्वास्थ्य संस्थाओं के परिसर में मरीजों के रिश्तेदारों के गतिविधियों की निगरानी करने को कहा। कमिश्नर कावरे ने चिकित्सको, रेसीडेंट डॉक्टर, नर्स, एवं अन्य पैरामेडिकल स्टॉफके विभिन्न ब्लॉक, हॉस्टल भवनों एवं स्वास्थ्य संस्थाओं के अन्य क्षेत्रों में सुरक्षित रूप से आवागमन हेतु समुचित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने एवं विशेष रूप से रात्रिकालीन ड्यूटी के समय अतिरिक्त सावधानी अपनाने एवं सुरक्षित परिवहन और पर्याप्त प्रकाशयुक्त रास्तों एवं सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था के निर्देश दिए।

कमिश्नर ने चिकित्सकीय स्टाफके आवासीय ब्लॉकों, हॉस्टल ब्लॉकों, और अन्य अस्पताल परिसर में उचित प्रकाश व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने, जिससे संभावित सुरक्षा खतरों को रोका जा सके। इसके अतिरिक्त परिसर में लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की संख्या, कार्य क्षमता और कवरेज की गहन समीक्षा करने और आवश्यकतानुसार निगरानी प्रणाली का उन्नयनीयकरण करने के निर्देश दिए।

कमिश्न ने चिकित्सा संस्थाओं के परिसर में लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की संख्या, कार्यक्षमता और प्रभावशीलता की स्थिति का समय-समय पर आकंलन करने और निगरानी एवं सुरक्षा को और दुरूस्त करने के लिये आवश्यक कार्यवाही करने के निर्दश दिए। कमिश्नर ने चिकित्सा संस्थाओं के परिसर में रात के समय नियमित रूप से सुरक्षागश्त की व्यवस्था स्थानीय पुलिस के माध्यम से करने, जिससे सुरक्षा व्यवस्था की निरंतर निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कमिश्नर ने चिकित्सा संस्थाओं में 24 घंटे संचालित सुरक्षा नियंत्रण कक्ष स्थापित करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने निकटतम पुलिस स्टेशन के साथ समन्वय स्थापित कर निरंतर समीक्षा करने और अस्पताल परिसर के उपयुक्त स्थानों पर पुलिस अधिकारियों के नाम एवं उनके मोबाइल नंबर का प्रकाशन करने के निर्देश दिए।

कमिश्नर ने चिकित्सा संस्थाओं में कानूनी आवश्यकताओं के अनुसार यौन उत्पीड़न घटनाओं के लिए आंतरिक समिति का गठन करने और उक्त समिति के सशक्तिकरण हेतु निरंतर समीक्षा कर आवश्यकतानुसार सुदृढ़िकरण एवं गुणवक्तापूर्ण संचालन करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने शासकीय एवं निजी 100 बिस्तर एवं उससे अधिक चिकित्सा अस्पतालों में पुलिस चैकी की स्थापना के साथ पर्याप्त सुरक्षा बल की व्यवस्था करने एवं पुलिस चैकी का दूरभाष नंबर अस्पताल के मुख्य स्थानों पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने चिकित्सा संस्थाओं में समय-समय पर पुलिस प्रशासन के माध्यम से सम्पूर्ण चिकित्सा परिसर का सुरक्षा ऑडिट करने एवं अंतर विश्लेषण अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कावरे ने चिकित्सा संस्थाओं परिसर में किसी भी अप्रिय (हिंसा) घटना के संबंध में प्राप्त शिकायती फोन कॉल के त्वरित निराकरण के लिए हेल्पलाइन नंबर 112 का उपयोग करने के लिये आवश्यक व्यवस्था एवं इसका चिन्हांकन अस्पतालों के मुख्य स्थानों पर करने के निर्देश दिए।

कावरे ने चिकित्सा परिसर में सीसीटीवी कैमरा, पर्याप्त लाइटिंग तथा सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था शासन द्वारा उपलब्ध बजट से करने एवं उपलब्ध बजट की कमी की स्थिति में उक्त कार्य के लिए व्यय चिकित्सा महाविद्यालय के मामले में संबंधित चिकित्सा महाविद्यालय संबंद्ध चिकित्सालय की स्वशासी समिति में उपलब्ध राशि के अंतर्गत करने एवं जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के मामले में संचालक, स्वास्थ्य सेवायें को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। साथ ही दोनों स्थिति में बजट की कमी होने पर शासन को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए।

प्रदेश में जेम्स एंड ज्वेलरी व हॉलमार्किंग सैक्टर को इंडस्ट्रीज का दर्जा मिलने से व्यापार के नए आयाम खुलेंगे- उत्तमचंद गोलछा

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि उद्योग भवन रायपुर में उद्योग विभाग एवम् छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कामर्स के संयुक्त तत्वाधान में सेमिनार का आयोजन किया गया।

चेंबर प्रदेश कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा ने बताया कि उद्योग भवन रायपुर में उद्योग विभाग एवम् छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कामर्स के संयुक्त तत्वाधान में सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जेम्स एंड ज्वेलरी एवम् हॉलमार्किंग सैक्टर को इंडस्ट्रीज का दर्जा प्रदान करने तथा शासन की ओर से इस योजना में दी जा रही विभिन्न सुविधाओं के विषय पर विस्तार से जानकारी दी गई। श्री गोलछा ने बताया कि जेम्स एंड ज्वेलरी एवम् हॉलमार्किंग सैक्टर को इंडस्ट्रीज का दर्जा मिलने पर प्रदेश में इस क्षेत्र में और भी तेजी से विकास होगा, नए रोजगार का सृजन होगा जो प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में अहम भूमिका निभाएगा।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ चेंबर कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, उद्योग विभाग से प्रभात मलिक (डायरेक्टर उद्योग विभाग छत्तीसगढ़), आलोक तिवारी, एस के सोनी,रायपुर गोल्ड स्मिथ एसोसिएशन अध्यक्ष महादेव बराल, सचिव अब्दुल वहाब एवं उपाध्यक्ष इस्माइल मलिक सहित व्यापारीगण उपस्थित रहे।

24वीं राष्ट्रीय वनवासी स्पर्धा में संथाल परगना बना चैंपियन, केरल उपविजेता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में चल रहीं 24वीं राष्ट्रीय वनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन हो गया। समापन समारोह के दौरान फुटबॉल के फाइनल मैच में संथाल परगना ने केरल को पेनाल्टी शूट में एक के मुकाबले चार गोलों से हराकर चैंपियन की ट्रॉफी जीती। केरल की टीम उपविजेता रहीं वहीं झारखण्ड की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। तीरंदाजी की प्रतियोगिता में पूर्वी उत्तर प्रदेश के बालक तीरंदाज और कर्नाटक की बालिकाएं छायी रहीं। इस पूरी प्रतियोगिता में फुटबॉल और तीरंदाजी के खेलों में लगभग 600 जनजातीय बालक-बालिकाओं ने हिस्सा लिया।

अण्डमान, निकोबार से लेकर पूरे देश के लगभग 30 प्रांतों से जनजातीय खिलाड़ी इस प्रतिस्पर्धा में शामिल हुए। पड़ोसी देश नेपाल से भी खिलाड़ियों के एक दल ने तीरंदाजी प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लिया। छत्तीसगढ़ के वन मंत्री एवं स्वागत समिति के अध्यक्ष केदार कश्यप और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा ने कोटा स्टेडियम पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया उन्होंने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और बेहतरीन खेल दिखाने के लिए सभी का हौसला बढ़ाया। समापन समारोह में अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह, अखिल भारतीय खेल-कूद प्रमुख फूल सिंह लेप्चा, राष्ट्रीय महामंत्री योगेश बापट, छत्तीसगढ़ प्रांत के अध्यक्ष उमेश कच्छप और संगठन मंत्री रामनाथ कश्यप, सचिव अनुराग जैन और स्वागत समिति के सचिव अमर बंसल, क्षेत्रीय संगठन मंत्री प्रवीण ढोलके, सह संगठन मंत्री सुभाष बडोले, पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग प्रमुख प्रोफेसर राजीव चौधरी, वनवासी विकास समिति महानगर रायपुर के अध्यक्ष रवि गोयल और सचिव राजीव शर्मा सहित सह खेल-कूद प्रमुख पंकज सिंह, श्रीमती संगीता चौबे, डॉ. विजय साण्डिल्य, डॉ. आशुतोष साण्डिल्य, डॉ. मीना मूर्मू, टिशेन भगत गोपाल वियानी भी उपस्थित रहे।

संभवतः जनजातीय खिलाड़ियों की यह विश्व की सबसे बड़ी स्पर्धा

अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा आयोजित इस 24वीं राष्ट्रीय वनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता के समापन समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय संगठन मंत्री अतुल जोग ने कहा कि यह प्रतियोगिता 1991 से अनवरत आयोजित होती आ रहीं है और यह प्रतियोगिता विशुद्ध रूप से जनजातीय खिलाड़ियों की सहभागिता वाली विश्व की सबसे बड़ी प्रतियोगिता है। जोग ने यह भी बताया कि इससे पहले भोपाल में आयोजित प्रतियोगिता में केवल तीरंदाजी प्रतिस्पर्धा में ही 316 जनजातीय तीरंदाजों ने हिस्सा लिया था और गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकार्ड में अपना नाम दर्ज कराया था। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल मेडल जीतने या खेल खेलने तक सीमित नहीं है बल्कि यह आयोजन खिलाड़ियों में राष्ट्रीय एकता की भावना और हम सबके एक होने के भाव को जगाने वाला है। उन्होंने खिलाड़ियों से आग्रह किया कि हमेशा कड़ी मेहनत करें, खेल से जुड़े रहें और लगातार अभ्यास करें ताकि आने वाले दिनों में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रौशन किया जा सके।

खेल की ना भाषा, ना कोई सीमा, केवल प्रतिभा ही पहचान :

समापन समारोह को वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एच के नागु ने भी संबोधित किया। उन्होंने खिलाड़ियों की हौसला अफ्ज़ाई करते हुए कहा कि खेलों की ना तो कोई भाषा है, ना ही कोई सीमा। खेल प्रतिभा ही खिलाड़ी की पहचान है। नागु ने कहा शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ खेल जीवन संघर्ष के लिए भी हमें तैयार करते हैं। उन्होंने वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा जनजातीय खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी। नागु ने सभी विजेताओं को शुभकानाएं दी।

फुटबॉल के 22 मैच, 122 गोल, 9 मैचों का परिणाम टाई ब्रेकर या पेनाल्टी शूट से :

24 वीं राष्ट्रीय वनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता में फुटबॉल के जनजातीय खिलाड़ियों ने अपना खूब जौहर दिखाया। पूरी प्रतियोगिता में फुटबॉल के 22 मैच कोटा स्टेडियम और यूनिवर्सिटी खेल मैदान पर खेले गये। जनजातीय खिलाड़ियों ने इन मैचों में 122 गोल दागकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खेल के प्रति खिलाड़ियों का समर्पण और उनकी कुशलता इसी से सिद्ध होती है कि पूरी प्रतियोगिता में 9 मैचों का परिणाम टाई ब्रेकर या पेनाल्टी शूट से हुआ। फुटबॉल के खिलाड़ियों ने एक से बढ़कर एक प्रतिभावों का प्रदर्शन किया। अंत में संथाल परगना ने चैंपियन्स ट्रॉफी जीती और केरल उपविजेता रहा। संथाल परगना के गोलकीपर विनय कुण्डू ने फाइनल मैच में पेनाल्टी शूट के 4 गोल बचाकर सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का मेडल प्राप्त किया वहीं संथाल परगना के ही खिलाड़ी विमल मराण्डी मेन ऑफद टूर्नामेंट रहें। फाइनल मैच में केरल के खिलाड़ी अभिनंद को मेन ऑफद मैच घोषित किया गया।

वनवासी स्पर्धाः तीरंदाजी में पूर्वी उत्तरप्रदेश का रहा जलवा, 12 में से चार पदक जीते

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 24वीं राष्ट्रीय वनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता में हुए तीरंदाज़ी के मुकाबलों में पूर्वी उत्तर प्रदेश के तीरंदाज़ों का जलवा रहा। कर्नाटक की बालिका तीरंदाजों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। इन खिलाड़ियों ने ट्रॉफी और मेडलों के साथ अपनी खेल भावना और व्यवहार से आयोजकों सहित साथी खिलाड़ियों का दिल भी जीत लिया।

पूर्वी उत्तरप्रदेश के तीरंदाज़ों ने कुल बारह में से चार पदक जीते हालांकि पूर्वी उत्तरप्रदेश के तीरंदाज किसी भी वर्ग में स्वर्ण पदक नहीं पा सके परंतु जूनियर बालक और सब जूनियर बालक वर्ग में इन खिलाड़ियों ने सिल्वर और ब्रांज मेडल प्राप्त किया। तीरंदाजी की जूनियर बालक वर्ग की प्रतिस्पर्धा में राजस्थान के हिमेश बरांडा ने 643 अंक प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता। पूर्वी उत्तर प्रदेश के आदित्य सिंह ने 637 अंक लेकर रजत और हीरा सिंह ने 626 अंक प्राप्त कर कांस्य पदक प्राप्त किया।

सब जूनियर बालक वर्ग में उत्तरबंगाल के सकनोन लेपचा ने 664 अंकों के साथ स्वर्ण और पूर्वी उत्तरप्रदेश के दीपक ने 661 अंक लेकर रजत तथा इंद्रदेव कुमार ने 651 अंक प्राप्त कर ब्रांज मेडल जीता। जूनियर बालिका वर्ग में उड़ीसा की मंजुलता ने 563 अंक प्राप्त कर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। छतीसगढ़ की रामशिला नेताम ने 493 अंक लेकर सिल्वर और उड़ीसा की ही मीना तीरिया ने 460 अंक प्राप्त कर कांस्य पदक जीता।

सब जूनियर बालिका वर्ग में कर्नाटक की बालिकाओ का वर्चस्व रहा। कर्नाटक की भाग्यश्री ने 599 अंक के साथ स्वर्ण और अन्नपूर्णा ने 563 अंक लेकर रजत पदक पक्का किया । राजस्थान की दर्शी डामोर ने इस वर्ग में 541 अंक प्राप्त कर कांस्य पदक जीता।

उल्लेखनीय है की 25 वीं राष्ट्रीय वनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता में तीरंदाजी के 40 मीटर, 30 मीटर और 20 मीटर शूटिंग मुकाबले हुए । इन प्रतिस्पर्धाओं में बालक-बालिका जूनियर-सब जूनियर वर्ग में लगभग 400 जनजातीय तीरंदाज़ों ने हिस्सा लिया। तीरंदाज़ी के सभी मुक़ाबले राज्य आर्चरी एकेडमी के मैदान पर हुई।

क्या है नॉर्डिक वॉकिंग? जानिए इससे जुड़ी महत्वपूर्ण बातें

नॉर्डिक वॉकिंग एक खास चलने की तकनीक है, जिसमें पोल्स का इस्तेमाल होता है। यह एक्सरसाइज पैरों के साथ पूरे शरीर को सक्रिय करता है। फिनलैंड में शुरू हुई यह तकनीक अब दुनिया भर में लोकप्रिय हो रही है। नॉर्डिक वॉकिंग हृदय की धड़कन बढ़ाकर और रक्त संचार सुधारकर हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद मानी जाती है।इसके अलावा यह जोड़ों पर कम दबाव डालती है, जिससे हर उम्र के लोग इसे आसानी से कर सकते हैं।

नॉर्डिक वॉकिंग कैसे करें?

नॉर्डिक वॉकिंग करते समय सही तकनीक का पालन करना जरूरी होता है। सबसे पहले पोल्स को शरीर के पास रखें और उन्हें हल्के झुकाव पर आगे की ओर धकेलें। चलते समय हाथों और पैरों का तालमेल बनाए रखें ताकि पूरा शरीर सक्रिय रहे। ध्यान दें कि आपकी पीठ सीधी होनी चाहिए और कंधे आरामदायक स्थिति में हों। शुरुआत में धीमी गति से चलें और धीरे-धीरे अपनी गति बढ़ाएं ताकि आपका शरीर इस नई गतिविधि के साथ तालमेल बिठा सके।

नॉर्डिक वॉकिंग के फायदे

नॉर्डिक वॉकिंग हृदय स्वास्थ्य को सुधार सकती है क्योंकि इससे हृदय की धड़कन तेज होती है और रक्त संचार बेहतर होता है। इसके अलावा यह एक्सरसाइज कैलोरी जलाने में मदद करता है, जिससे वजन घटाने में सहायता मिल सकती है। नॉर्डिक वॉकिंग करने से मांसपेशियों की मजबूती भी बढ़ती हैं क्योंकि इसमें पूरे शरीर का उपयोग होता हैं। साथ ही इस एक्सरसाइज से जोड़ों पर कम दबाव पड़ता हैं, जिससे इसे बुजुर्ग लोग भी आसानी से कर सकते हैं।

एक्सरसाइज करते समय बरतें ये सावधानियां

जब आप नॉर्डिक वॉकिंग शुरू करें तो कुछ सावधानियां बरतना जरूरी है ताकि चोट से बचा जा सके। इसके लिए सही आकार के पोल्स का चयन करें, जो आपकी ऊंचाई के अनुसार हों। इससे संतुलन बनाने में मदद मिलेगी। हमेशा सपाट सतह पर चलें जहां फिसलने का खतरा कम हो। अगर आप पहली बार इस एक्सरसाइज को कर रहे हैं तो किसी प्रशिक्षित व्यक्ति की सलाह लें। यह सुनिश्चित करेगा कि आप सही तकनीक अपनाएं और सुरक्षित रहें।

अन्य एक्सरसाइज जोड़कर विविधता लाएं

अगर आप अपनी फिटनेस रूटीन में विविधता लाना चाहते हैं तो नॉर्डिक वॉकिंग के साथ कुछ अन्य एक्सरसाइज भी जोड़ सकते हैं। उदाहरण के लिए स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज जैसे योग या पाइलेट्स आपके मांसपेशियों को लचीला बनाएंगे। इसके अलावा हल्की दौड़ या साइक्लिंग जैसी कार्डियो एक्सरसाइज भी शामिल कर सकते हैं, जो आपके हृदय स्वास्थ्य को और बेहतर बनाएंगी। इन सभी एक्सरसाइज का संयोजन आपको एक संतुलित फिटनेस रूटीन प्रदान करेगा, जिससे आपका शारीरिक विकास होगा ।

स्टाइलिश बॉडीकॉन आउटफिट पहन भूमि पेडनेकर ने शेयर की हॉट फोटो

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर अक्सर अपने लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स इंटरनेट पर पोस्ट होते ही फैंस के बीच तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर हमेशा अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया के जरिए फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। भूमि पेडनेकर की लेटेस्ट तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने बोट नेक आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही गॉर्जियस लुक में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। खुले बालों को वेवी स्टाइल लुक कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर पोस्ट करती है तो फैंस अक्सर उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। एक्ट्रेस अपने इस आउटफिट में स्टाइलिश नजर आ रही हैं। वहीं, कातिल अदाओं से फैंस के दिलों पर खंजर चला रही हैं। तस्वीरों में आप देख सकते हैं भूमि पेडनेकर ने एक से बढ़कर एक पोज देते हुए हॉट फोटोज क्लिक करवाई है। अपने इस आउटफिट के साथ उन्होंने ब्लैक कलर की ज्वैलरी पहनी हुई है। वहीं, डार्क शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस ने अपने इस लुक को बेहद शानदार तरीके से निखारा है।

फिल्म डाकू महाराज के तीसरे गाने की रिलीज डेट से पर्दा उठा, नंदमुरी बालकृष्ण-उर्वशी रौतेला का पोस्टर जारी

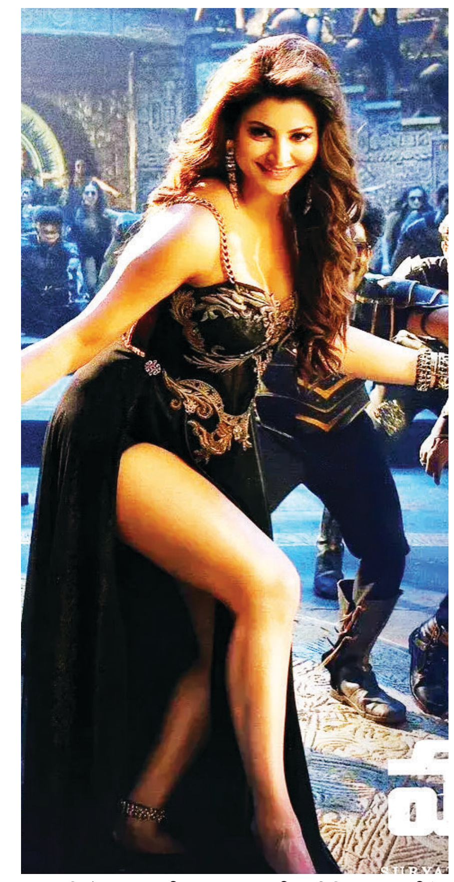

अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण की नई फिल्म एनबीके 109 का आधिकारिक शीर्ष डाकू महाराज है, जिसके घोषणा पहले ही की जा चुकी है। अब फैंस के बीच उत्साह बढ़ाने के लिए फिल्म के निर्माता लगातार डाकू महाराज से जुड़ी नई जानकारियां और झलकियां साझा कर रहे हैं। फिल्म के दो गाने पहले ही रिलीज हो चुके हैं और अब निर्माता इसके तीसरे गाने की रिलीज की तैयारियां कर रहे हैं। अब निर्माताओं की फिल्म के तीसरे गाने की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि डाकू महाराज का तीसरा गाना 4 जनवरी, 2025 को यूएसए प्री-रिलीज इवेंट के दौरान रिलीज किया जाएगा, जो कि भारतीय समय के अनुसार 5 जनवरी, 2025 को होगा। फिल्म का तीसरा गाना थमन द्वारा रचित एक उच्च-ऊर्जा मास ट्रैक है, जो फैंस को खूब पसंद आएगा। उत्साह बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने बालकृष्ण और उर्वशी रौतेला के साथ एक खास पोस्टर जारी किया है। गायक, गीतकार और शीर्षक सहित गीत के बारे में अधिक जानकारी जल्द ही सामने आएगी। पोस्टर साझा करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, नए साल पर मिलेगा बड़ा धमाका। सिनेमाघरों को रोमांचक संगीत समारोहों में बदलने के लिए तैयार हो जाइए। डाकू महाराज में बॉबी देओल और रवि किशन खलनायक की भूमिकाओं में नजर आएगी। फिल्म में जिन अन्य सितारों को कास्ट किया गया है, उनमें उर्वशी रौतेला, चांदनी चौधरी, प्रज्ञा जायसवाल और श्रद्धा श्रीनाथ शामिल हैं। फिल्म का संगीत एस थमन ने दिया है, जबकि इसे बॉबी कोल्ली ने लिखा और निर्देशित किया है। डाकू महाराज 12 जनवरी 2025 को स्क्रीन पर आएगी।

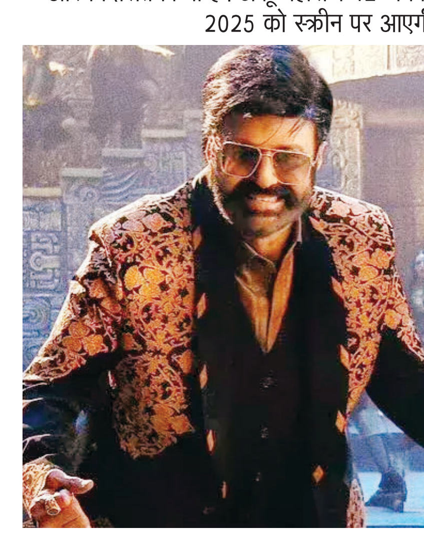

फ्लॉप फिल्म के बावजूद छाईं वामिका गब्बी, बेबी जॉन से बनीं नई नेशनल क्रश और इंटरनेट सेंसेशन

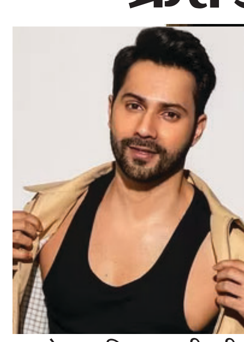

हाल ही में रिलीज हुई वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन को लेकर उम्मीदें तो बड़ी थीं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने खास कमाल नहीं किया। जब ट्रेलर आया था, तब लगा था कि फिल्म बंपर कलेक्शन करेगी, लेकिन मेकर्स की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। हालांकि, फिल्म भले ही फ्लॉप हो गई हो, लेकिन इसमें एक्ट्रेस वामिका गब्बी की चर्चा हर तरफ हो रही है।

दर्शकों को बनाया दीवाना

वामिका गब्बी ने बेबी जॉन से बॉलीवुड में कदम रखा है और उनकी परफॉर्मेंस ने दर्शकों को दीवाना बना दिया है। वामिका को उनकी खूबसूरत आंखों और शानदार अदाकारी के लिए खूब तारीफ मिल रही है। यही वजह है कि उन्हें अब नई नेशनल क्रश कहा जा रहा है।

वामिका गब्बी इससे पहले तमिल, मलयालम और पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में काम कर चुकी हैं। उन्होंने मलयालम फिल्म गोधा और तमिल फिल्म नेराथु मसक्कम से काफी पॉपुलैरिटी हासिल की थी। वामिका ने जब वी मेट में भी एक छोटा किरदार निभाया था।

फिल्म का प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा

सोशल मीडिया पर भी वामिका खूब एक्टिव रहती हैं और उनकी पोस्ट्स को फैंस का खूब प्यार मिलता है। वामिका की पॉपुलैरिटी बेबी जॉन के बाद और ज्यादा बढ़ गई है। फिल्म का पहला वीकेंड अभी बाकी है और देखने वाली बात होगी कि वीकेंड पर फिल्म का कलेक्शन कैसा रहता है। हालांकि, अब तक फिल्म का प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है। बेबी जॉन के फ्लॉप होने के बावजूद वामिका गब्बी इस फिल्म की वजह से सुर्खियों में बनी हुई हैं।

सुरभि ज्योति की सीरीज गुनाह-2 की रिलीज तारीख से उठा पर्दा, नया टीजर आया सामने

सुरभि ज्योति और गश्मीर महाजनी की वेब सीरीज गुनाह के दूसरे सीजन का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म हो जाएगा।गुनाह 2 का टीजर पहले ही सामने आ चुका है। आखिरकार अब इसकी रिलीज तारीख का ऐलान हो गया है। इसके साथ निर्माताओं ने गुनाह 2 का नया टीजर जारी कर दिया है, जिसे प्रशंसक काफी पसंद कर रहे हैं। आइए बताते हैं इस सीरीज को आप कब और कहां देख पाएंगे।

पहले सीजन को दर्शकों का खूब प्यार मिला

गुनाह 2 का प्रीमियर 3 जनवरी, 2025 से ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी+ हॉटस्टार पर होने जा रहा है। निर्माताओं ने टीजर साझा करते हुए लिखा, प्यार ने शुरू की थी कहानी, लेकिन बदले ने लिखा इसका अंजाम। बता दें कि गुनाह के पहले सीजन को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। यह सीरीज 3 जून, 2024 को डिज्नी+ हॉस्टार पर रिलीज हुई थी। इसमें कुल 25 एपिसोड थे।इस सीरीज में अभिनेता जैन इबाद खान भी नजर आए थे।

साइकिल चलाने से कम हो जाता है दिल की बीमारियों का खतरा

आजकल सभी लोग बाहर जाने के लिए बाइक या कार का इस्तेमाल करते हैं। पुराने जमाने में लोग कहीं भी जाने के लिए साइकिल का इस्तेमाल करते थे। जिनसे उनका शरीर तंदुरुस्त रहता था। अगर आप रोजाना 30 मिनट तक साइकिल चलाते हैं तो इससे आपका शरीर हमेशा स्वस्थ रह सकता है।

साइकिल चलाने के फायदे

साइकिल चलाने से दिल की बीमारियों के होने का खतरा कम हो जाता है। साइकिल चलाने से दिमाग में सिरोटोनिन और डोपामाइन जैसे रसायन का स्राव होता है, जिससे आपका दिल हमेशा स्वस्थ रहता है। साइकिल चलाते वक्त आप तेजी से सांस लेते हैं, जिससे आपकी त्वचा को भरपूर मात्रा में ऑक्सीजन की प्राप्ति होती है। रोजाना साइकिल चलाने से आपकी त्वचा लंबे समय तक जवान बनी रहती है। इसके अलावा साइकिल चलाने से आपकी हड्डियां भी मजबूत हो जाती हैं। अगर आपको शुगर की समस्या है तो रोजाना आधा घंटा साइकल जरूर चलाएं। साईकिल चलाने से पहले भरपूर मात्रा में पानी का सेवन करें।

गले में भी होती है खुजली? आराम पाने के लिए अपनाएं ये नुस्खे

सर्दियों में गले में खराश होना आम बात होती है, लेकिन कई लोगों को बलगम के कारण गले में खुजली होने लगती है। इस समस्या के कारण बात करना और खाने को निगलना बेहद मुश्किल हो जाता है। आम तौर पर जुखाम, सूजन या बुखार गले में होने वाली खुजली का कारण बनते हैं। हालांकि, यह परेशानी पेट में बनने वाले एसिड के चलते भी बढ़ सकती है। आइए इस स्वास्थ्य संबंधी समस्या से निपटने के घरेलू नुस्खे जानते हैं।

गर्म पानी से गरारे करें

गले की खुजली से छुटकारा पाने का सबसे अच्छा प्राकृतिक और घरेलू उपचार होता है गर्म पानी से गरारे करना। इसके जरिए गले की सूजन कम होती है और जलन शांत होती है। एक गिलास पानी गर्म में आधा चम्मच नमक मिला दें। इस पानी की मदद से कम से कम 30 मिनट तक गरारे करें।अगर आप हफ्ते में 2 बार यह उपाय करेंगे, तो आपकी खुजली की समस्या दूर हो जाएगी और आपका गला साफ हो जाएगा।

हल्दी वाले दूध का सेवन करें

अक्सर चोट लगने पर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह दी जाती है। हालांकि, इस पेय के सेवन से गले में होने वाली खुजली भी ठीक हो सकती है। हल्दी में करक्यूमिन होता है, जिसे एक शक्तिशाली एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंट माना जाता है। इससे गले की सूजन दूर हो जाती है और संक्रमण का खतरा भी कम हो जाता है। एक गिलास गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी मिलाएं और घूंट-घूंट करके पीएं।

भाप लें

जुखाम होने पर लोग भाप लेते हैं, जिसके जरिए बलगम को पिघलाया जा सकता है। इस उपचार की मदद से आप गले में होने वाली खुजली को भी शांत कर सकते हैं। भाप लेने से गला नम होता है और सूखेपन से राहत मिलती है, जिसके कारण खुजली दूर हो जाती है। भाप लेने से पहले पानी गर्म करके उसमें पुदीने वाला एसेंशियल ऑयल मिलाएं। अब कम से कम 5 से 7 मिनट तक चेहरे को ढककर भाप लें।

गुनगुने पानी में शहद मिलाकर पीएं

अगर आप रोजाना सुबह गुनगुने पानी में शहद मिलाकर पीएंगे, तो आपको गले की खुजली से छुटकारा मिल जाएगा। एशियन पैसिफिक जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल बायोमेडिसिन में प्रकाशित शोध के अनुसार, शहद में एंटी-बैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं। इस खाद्य पदार्थ के जरिए गले की सूजन कम हो जाती है, दर्द से राहत मिलती है और खांसी भी ठीक हो जाती है। वहीं, गर्म पानी गले की सिकाई करते हुए आराम प्रदान करता है।

सेब का सिरका आजमाएं

सभी जानते हैं कि सेब का सिरका वजन घटाने में मदद करता है। हालांकि, काफी कम लोग इस बात से वाकिफ हैं कि इसकी मदद से गले में होने वाली खुजली भी दूर हो सकती है। इसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जो गले की सूजन, जलन और असुविधा को कम कर सकते हैं। एक गिलास गर्म पानी लें और उसमें आधा चम्मच सेब का सिरका मिलाएं। इस पेय को रोजाना सुबह पीएं और आराम महसूस करें।

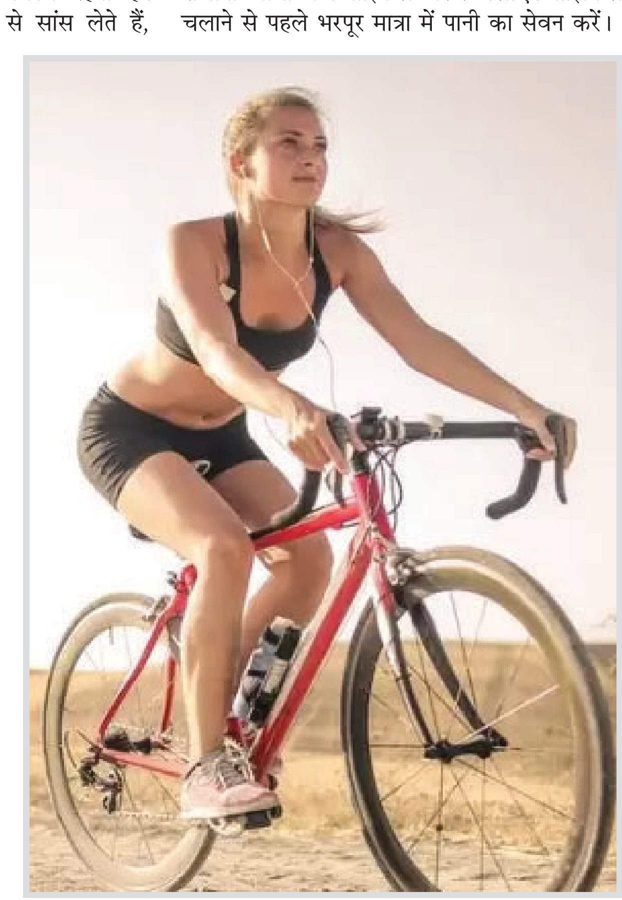

जल जीवन मिशन : राज्य में 40.10 लाख से अधिक परिवारों को मिला घरेलू नल कनेक्शन

रायगढ़ जिला सर्वाधिक घरेलू नल कनेक्शन देने में अग्रणी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य के ग्रामीण अंचलों में नि:शुल्क घरेलू नल कनेक्शन देने का काम तेजी से किया जा रहा है। प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत घरों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत 50 लाख 04 हजार 536 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन दिया जाना है। जिसके तहत वर्तमान में 40 लाख 10 हजार 986 घरेलू नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं।

इसके साथ-साथ राज्य के 43 हजार 926 स्कूलों, 41 हजार 665 आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा 17 हजार 319 ग्राम पंचायत भवनों और सामुदायिक उप-स्वास्थ्य केन्द्रों में टेप नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की व्यवस्था की गई है। जिसमें छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिला सर्वाधिक 2 लाख 303 ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन देने में अग्रणी है। इसी तरह जिला महासमुंद 1 लाख 97 हजार 864,

जांजगीर-चांपा जिले में 1 लाख 85 हजार 214 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन देने में क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री अरुण साव के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे जल जीवन मिशन के अंतर्गत राज्य में प्रति व्यक्ति, प्रतिदिन 55 लीटर के मान से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, इसके लिए सभी जिलों में कार्ययोजना तैयार कर तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। इस मिशन के तहत घरेलू नल कनेक्शन के अतिरिक्त स्कूल, उप-स्वास्थ्य केंद्र एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में भी रनिंग वाटर की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही साथ जमीनी स्तर पर राज्य में सिंगल विलेज स्कीम और मल्टी विलेज स्कीम सहित अन्य पेयजल योजनाओं सहित जल जीवन मिशन के कार्यों का क्रियान्वयन सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मो. कैसर अब्दुलहक और जल जीवन मिशन संचालक डॉ. सर्वेश्वर भूरे द्वारा लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है। जल जीवन मिशन के तहत अब तक बलौदाबाजार-भाटापारा में 1 लाख 81 हजार 272, बिलासपुर जिले में 1 लाख 80 हजार 611, रायपुर जिला 1 लाख 79 हजार 240, कवर्धा 1 लाख 65 हजार 591, धमतरी जिले में 1 लाख 53 हजार 140, बालोद में 01 लाख 52 हजार 259, बेमेतरा जिले में 1 लाख 50 हजार 477, मुंगेली में 1 लाख 48 हजार 560, जशपुर में 1 लाख 44 हजार 153, कोरबा में 1 लाख 43 हजार 680, बस्तर में 1 लाख 43 हजार 492, बलरामपुर में 1 लाख 41 हजार 697 तथा राजनांदगांव जिला 1 लाख 39 हजार 561 नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इसी तरह दुर्ग 1 लाख 37 हजार 715, सक्ती में 1 लाख 34 हजार 374, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 60 हजार 370, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 46 हजार 999, सुकमा में 46 हजार 477, दंतेवाड़ा में 39 हजार 494, कोरिया में 37 हजार 767, बीजापुर 32 हजार 532, और नारायणपुर जिले में 21 हजार 911 ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं।

मासिक पत्रिका छत्तीसगढ़ जनमन पाकर खिले युवाओं के चेहरे

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। जनसंपर्क विभाग की मासिक पत्रिका छत्तीसगढ़ जनमन पाकर बालोद जिले के जिला ग्रंथालय के युवाओं में खुशी आई है। युवाओं ने जनमन पत्रिका को पाकर अत्यंत हर्षपूर्वक और उत्सूकता के साथ उसका पठन किया है। इस माह छत्तीसगढ़ जनमन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन के 01 साल की उपलब्धियों पर आधारित है। जिसे 'आकार ले रहा विकसित, सुशासित छत्तीसगढ़' शीर्षक के साथ प्रकाशित किया गया है। जिसमें प्रमुख रूप से विगत एक साल में शासन की उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी आकर्षक ढंग से प्रदर्शित की गई है। जिसमें सरकार का विकास पर जोर, नक्सलवाद हुआ कमजोर, पर्यटन विकास, नई औद्योगिक नीति, अधोसंरचना विकास, किसानों की उन्नति, स्वस्थ्य छत्तीसगढ़, महिलाओं की आर्थिक समृद्धि, प्रधानमंत्री

आवास योजना, जल जीवन मिशन, भ्रष्टाचार से जंग, सुशासन एवं पारदर्शिता, छत्तीसगढ़ की नई शिक्षा नीति, आदिवासी विकास, युवा और रोजगार से जुड़ी पहल, श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना सहित गुड गवर्नेंस, देश व राज्य की प्रमुख बड़ी खबरे, खेल समाचार, छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों की जानकारी दी गई है। मासिक पत्रिका छत्तीसगढ़ जनमन पाकर सुश्री दामिनी यादव ने बताया कि वह पहली बार यह पत्रिका पढ़ रही है। जिसमें उसे छत्तीसगढ़ी पहेली बहुत ही दिलचस्प लगी। उसने छत्तीसगढ़ी पहेली देखते ही उसे हल करने का मन बना लिया है। दामिनी ने बताया कि जनमन पत्रिका में योजनाओं के बारे में सीमित शब्दों में विस्तृत जानकारी दी गई है। जिसे पढ़कर शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी आसानी से समझी जा सकती है। उसने बताया कि जनमन पत्रिका में सरकार द्वारा पर्यटन विकास हेतु किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई है।

जिसमें बस्तर के धुड़मारास गांव में पर्यटन को विकसित करने किए गए कार्य बहुत ही सराहनीय है। इसके साथ ही बेटियों के हित में लिए गए निर्णय जिसमें मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 50 हजार रुपए में से 35 हजार रुपए विवाहित कन्या के बैंक खाते में स्थानांतरित किए जाने की जानकारी दी गई है। जो काफी अच्छी लगी। दामिनी ने कहा कि वह अब मासिक पत्रिका छत्तीसगढ़ जनमन नियमित रूप से पढ़ेगी।

वाहन चलाते समय यातायात नियमों का करे पालन - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने आज गरियाबंद पुलिस द्वारा संचालित सड़क सुरक्षा माह वर्ष 2025 का शुभारंभ किया। इसके तहत सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा की थीम पर यातायात नियमों का पालन और सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया गया।

यह अभियान 01 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2025 तक चलेगा। अभियान का शुभारंभ पुलिस लाइन गरियाबंद से हेलमेट रैली निकालकर किया गया। रैली में कलेक्टर - एसपी सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं पुलिस के जवानों ने हेलमेट पहन कर बाइक चलाते हुए लोगों को यातायात नियमो का पालन करने का संदेश दिया। यह रैली पुराने एसपी कार्यालय पर समाप्त हुई। यहां पर स्कूली बच्चों एवं आमजनों को यातायात नियमों के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर अग्रवाल ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह का मुख्य उद्देश्य वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करने के लिए लोगों को जागरूक करना है। जिससे सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी एवं दुर्घटनाओं में कमी आयेगी। उन्होंने लोगों को वाहन चलाते समय सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही स्कूली बच्चो को अपने घर एवं आसपास के लोगों को भी सड़क सुरक्षा के संबंध में जानकारी देने की बात कही। सड़क सुरक्षा माह के शुभारंभ अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री जितेंद्र चंद्राकर, एसडीओपी सुश्री निशा सिन्हा, आरटीओ प्रभारी रविंद्र ठाकुर, रक्षित निरीक्षक सनत ठाकुर, थाना प्रभारी ओमप्रकाश यादव सहित अन्य अधिकारी - कर्मचारी मौजूद रहे।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक राखेचा ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह का आज से शुभारंभ हो गया है। इस संबंध में गरियाबंद नगर का भ्रमण कर हेलमेट पहनने एवं यातायात नियमों का पालन करवाने की उद्देश्य से बाइक रैली निकाली गई। रैली का मुख्य उद्देश्य लोगों को हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित रैली के दौरान लोगों से अपील की गई। उन्होंने कहा कि हेलमेट पहनकर वाहन न चलाएं। शराब पीकर वाहन न चलाएं, दुपहिया वाहन पर तीन से अधिक लोग न बैठें, वाहन चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल न करें, और चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट का उपयोग करें।

पं. जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर में 18 चिकित्सा शिक्षकों का संविदा नियुक्ति आदेश जारी

मेडिकल कालेज रायपुर एवं चिकित्सालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था हेतु 12 गार्ड एवं 10 बंदूकधारी सुरक्षा कर्मियों की हुई तैनाती

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने के उद्देश्य से पं. जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर में गुणवत्ता पूर्ण चिकित्सा शिक्षा के लिए एक साथ 18 चिकित्सा शिक्षकों की संविदा नियुक्ति की गई है। उल्लेखनीय है कि मेडिकल कालेज रायपुर में पहली बार एक साथ इतने संविदा चिकित्सा शिक्षकों की नियुक्ति की गई है।

डॉ. रूमी कुमार, सहायक प्राध्यापक प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, डॉ. हर्षिता भाटिया सहायक प्राध्यापक रेडिएशन अंकोलॉजी, डॉ. कमलकांत साहू, सहायक प्राध्यापक फॉरेंसिक मेडिसीन, डॉ. स्निग्धा कुमारी सहायक प्राध्यापक (कार्डियक निश्चेतना) सीटीव्हीएस विभाग, डॉ. रचना रिची पांडेय सहायक प्राध्यापक (अंकोनिश्चेतना) रेडियोथेरेपी विभाग, डॉ. अविनाश बंजारे (अंकोनिश्चेतना) रेडियोथेरेपी विभग, डॉ. श्रूती तूरकर सहायक प्राध्यापक (एनेस्थिसिया) क्रिटिकल केयर, डॉ. संध्या वर्मा सीनियर रेसीडेंट पैथोलॉजी, डॉ. रेबिना यादव सीनियर रेसीडेंट पैथोलॉजी विभाग, डॉ. प्रिंशी चौधरी सीनियर रेसीडेंट नेत्र रोग, डॉ. पियूषी साव सीनियर रेसीडेंट नेत्र रोग, डॉ. सुरभि चौबे सीनियर रेसीडेंट ईएनटी, डॉ. पारूल राठी सीनियर रेसीडेंट ईएनटी, डॉ. शुभांगन मिश्रा सीनियर रेसीडेंट प्रसूति एवं स्त्री रोग, डॉ. नील पसरीजा सीनियर रेसीडेंट अस्थि रोग, विनय मिश्रा रजिस्ट्रार मेडिकल फिजिक्स, अनजुम मिश्रा रजिस्ट्रार मेडिकल फिजिक्स, अनुराग संचय कालकुलेवर रजिस्ट्रार मेडिकल फिजिक्स की चिकित्सा शिक्षक के रूप में संविदा नियुक्ति की गई है।

स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर कार्डयो वैस्कुलर एवं थोरेसिक सर्जरी विभाग में बाईपास सर्जरी प्रारंभ करने हेतु 3 परफ्युजनिस्ट एवं 3 फिजिशियन असिस्टेंट की संविदा आधार पर नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है। इसके साथ ही डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर में 57 वार्ड ब्वाय एवं 17 स्वीपर सहित कुल 74 सफाई कर्मियों की नियुक्ति भी की गयी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राज्य में गुणवत्तायुक्त चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार पहल कर रहे हैं। इसके साथ ही मरीज एवं उनके परिजनों की सुरक्षा के लिए भी मुख्यमंत्री साय संवेदनशीलता के साथ निर्णय ले रहे हैं। इन निर्णयों से अस्पताल में सुरक्षा की स्थिति मजबूत होने के साथ ही स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतरी एवं चिकित्सा छात्रों के पठन-पाठन में सुधार भी देखा जा रहा है। इसी कड़ी में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर मेडिकल कालेज एवं चिकित्सालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था के सुदृढीकरण हेतु 12 गार्ड एवं 10 गनमैन की भी तैनाती की गई है।

रामलला के निराले दर्शन से विद्यावती का मन हुआ निहाल

भुवनेश्वर राव एवं लक्ष्मण जायसवाल ने योजना के तहत किये अयोध्या धाम के सुखद दर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। प्रदेश के लोगों को उनके पूज्य भगवान श्री राम के दर्शन के स्वप्नों को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के द्वारा राज्य में श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना संचालित की जा रही है। इसके द्वारा लोगों को उनके आराध्य श्री रामलला के दर्शन के लिए नि:शुल्क यात्रा सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिसके तहत अब तक जशपुर जिले के 1204 लोगों को भगवान राम के दरबार के पवित्र दर्शन कराए जा चुके हैं।

इस योजना के द्वारा प्रदेश के 20 हजार से अधिक लोगों को प्रतिवर्ष अयोध्या धाम के दर्शन कराये जाने का लक्ष्य रखा गया है। ऐसे ही योजना के तहत श्री रामलला के दर्शन प्राप्त करने वाली जशपुर के ग्राम बादरकोना तपकरा निवासी राम भक्त विद्यापति प्रधान ने बताया कि वे प्रतिदिन अपने छोटे से व्यापार को चला कर जीवनयापन करतीं थीं। जब से उन्होंने श्री रामलला के अयोध्या में पुन: प्राण प्रतिष्ठा की बात जानी हमेशा उनके दर्शन की आशा उनके मन में रहा करती थी, पर जाने आने का खर्च और घर की जिम्मेदारी को

सोच कर कभी जा नहीं पा रहे थे। ऐसे में जैसे ही शासन ने श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना चालू की उनके मन में उम्मीद जागी। जब जाने का दिन आया तो उन्होंने सोचा नहीं था इतनी अच्छी व्यवस्था होगी जशपुर हो या अंबिकापुर हर जगह हमारा स्वागत किया गया। एक स्पेशल ट्रेन भी थी। काशी विश्वनाथ मंदिर से लेकर अयोध्या धाम में रामलला के साथ सरयू में महाआरती के भी दर्शन हुए। हम रामलला के अद्भुत दर्शन पाकर अभिभूत हो गए हैं। अपने आराध्य के दर्शन कर हम निहाल हो गए। जिसके लिए हम शासन के आभारी हैं।

जशपुर नगर के भुवनेश्वर राव ने कहा कि जब योजना के तहत मेरा नाम आया और जब जशपुर से यात्रा प्रारम्भ हुई हम बहुत उत्साहित थे, जब अम्बिकापुर पहुंचे तो स्वयं सांसद एवं जनप्रतिनिधियों ने हमारा स्वागत रेलवे स्टेशन पर किया। यात्रा में खाने पीने में नाश्ते से लेकर भोजन की उत्तम व्यवस्था की गई। जहां जहां हम पहुंचे शासन द्वारा जाने आने के लिए वाहन की व्यवस्था की गई थी। रुकने की भी उत्तम व्यवस्थाएं थी। जब रामलला के दर्शन हुए तो हम नजरें ही नहीं हटा पाए। यात्रा में काशी विश्वनाथ मंदिर, अयोध्या धाम, हनुमानगढ़ी के भी दर्शन हुए।

गम्हरिया के लक्ष्मण जायसवाल ने बताया कि हमें रामलला के दर्शन हेतु अयोध्या धाम जाने का अवसर प्राप्त हुआ इसके लिए हम शासन के आभारी हैं। शासन द्वारा नि:शुल्क हमें हमारे आराध्य श्री रामलला के दर्शन कराए गए इसके लिए हम शासन को धन्यवाद देते हैं। जब हम ट्रेन से यात्रा कर रहे थे तब ट्रेन में श्री राम भगवान की मूर्ति भी स्पेशल ट्रेन में पूजा हेतु उपलब्ध कराई गई थी। ट्रेन में सभी के लिए सुव्यवस्थित और समुचित व्यवस्था के साथ छाता, टोपी, रामनवमी अंगोछा उपहार में दिया गया था। जिसे हमने सुखद यात्रा के स्मृति चिन्ह की तरह सहेज लिया है।

यात्रा के दौरान पूरे समय हमारा ख्याल रखने के लिए एक कर्मचारी भी जिला प्रशासन ने नियुक्त किया था। यात्रियों के स्वास्थ्य परीक्षण, एवं उपचार हेतु कुशल चिकित्सक और उनकी सहयोगी टीम हमेशा तैनात थी। जिससे हमारी यात्रा बड़ी ही सुखमय रही। उन्होंने बताया कि हम स्वयं के खर्चे पर भी इतनी सुविधाएं हम शायद ही जुटा पाते। यह वरिष्ठ नागरिकों के लिए भगवान श्री राम के दर्शन हेतु बहुत अच्छी योजना है।

एनआईटी रायपुर में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग करेगा विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। एनआईटी रायपुर में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विभिन्न कार्यशालाओं और सर्टिफिक्केट कोर्स का आयोजन किया जाएगा 7 विभाग द्वारा 6 जनवरी से 7 मार्च 2025 तक साइबर फिजिकल सिस्टम (सीपीएस) विषय पर हाइब्रिड मोड में 45 दिन के सर्टिफिक्केट कोर्स, 13 जनवरी से 29 जनवरी 2025 तक डेटा साइंस एंड इट्स एप्लीकेशन पर 15 दिन की ऑनलाइन कार्यशाला, और 27 जनवरी से 12 फरवरी 2025 तक एथिकल हैकिंग एंड डिजिटल फोरेंसिक्स पर 15 दिन की कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इन कार्यशालाओं के मुख्य संरक्षक एन आई टी रायपुर के निदेशक डॉ. एन.वी. रमना राव होंगे । इन कार्यक्रमों की अध्यक्षता कंप्यूटर साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप सिंह द्वारा की जाएगी। डेटा साइंस एंड इट्स एप्लीकेशन

कार्यशाला के समन्वयक डॉ. आकांक्षा शराफ, डॉ. जितेंद्र कुमार राउत और डॉ. नितेश के. भारद्वाज होंगे। एथिकल हैकिंग और डिजिटल फोरेंसिक्स पर आयोजित कार्यशाला के समन्वयक डॉ प्रदीप सिंह, डॉ. आकांक्षा शराफ और डॉ. नितेश के. भारद्वाज हैं। इसके अतिरिक्त साइबर फिजिकल सिस्टम (सीपीएस) पर आधारित सर्टिफिक्केट कोर्स के समन्वयक डॉ मनु वर्धन, डॉ. नितेश के. भारद्वाज और डॉ मधुकृष्णा प्रियदर्शिनी है 7 कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित इन आकर्षक कार्यशालाओं और सर्टिफिक्केट कोर्स से सम्बंधित अन्य जानकारी संस्थान की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है 7 यह सभी कार्यक्रम भाग लेने वाले प्रतिभागियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए हर दिन शाम 5 बजे के बाद संचालित किये जाएंगे, ताकि ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थी और इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स इस कार्यक्रम से जुड़कर इसका लाभ उठा सकें।

साइबर-फिजिकल सिस्टम्स (सीपीएस) पर आधारित पाठ्यक्रम इस क्षेत्र की व्यापक समझ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो ए.आई. के माध्यम से ऑटोमेशन पर ध्यान केंद्रित करता है और केस स्टडी अनुभव प्रदान करता है।

पाठ्यक्रम के प्रमुख विषयों में CPS गणना प्लेटफ़ॉर्म, रीयल-टाइम सेंसिंग, संचार, हमले का पता लगाना, सुरक्षा ढांचे आदि शामिल हैं। यह पाठ्यक्रम छात्रों को CPS के रोमांचक क्षेत्र में करियर बनाने के लिए तैयार करने का लक्ष्य रखता है।

नये साल के पहले दिन अधिकारी पहुंचे स्कूल, न्योता भोज में बच्चों के साथ किया भोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। नये साल के पहले दिन आज खरसिया एसडीएम डॉ.प्रियंका वर्मा सहित खरसिया अनुविभाग के अन्य जिला स्तरीय अधिकारी विकासखण्ड खरसिया के विभिन्न स्कूलों में बच्चों के बीच पहुंचे। अधिकारियों ने स्कूलों में न्योता भोज में बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया। इस दौरान उन्होंने शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला पामगढ़ तहसील खरसिया में स्कूल का निरीक्षण किया जहां उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई का महत्व बताते खूब मन लगाकर पढ़ाई करने की बात कही।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर कार्तिकेया गोयल द्वारा जिला स्तरीय अधिकारियों को फील्ड निरीक्षण के दौरान स्कूल, आंगनबाड़ी एवं छात्रावासों को निरीक्षण करने के निर्देश दिए हुए है। उक्त निर्देश के परिपालन में खरसिया ब्लॉक में अधिकारियों ने स्कूलों में बच्चों से पढ़ाई-लिखाई का फीडबैक लिया। अधिकारियों ने विद्यालय का स्तर, शिक्षकों एवं छात्रों की उपस्थिति, अध्यापन की स्थिति, समय-सारिणी के आधार पर पीरियड का संचालन, विद्यालय में टीएलएम की उपलब्धता, विद्यालय में स्मार्ट क्लास के संचालन आदि स्थिति का अवलोकन किया। अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों से परीक्षाओं को लेकर पढ़ाई-लिखाई से जुड़े सवाल जवाब किया। विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी नियमित अभ्यास के साथ करने और बिना किसी तनाव के परीक्षा देने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही छात्रों से उनके लक्ष्य के बारे में भी पूछा और उसे पाने के लिए खूब मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया।

खास खबर

शादी का झांसा देकर रेप करने वाला आरोपी हुआ गिरफ्तार

कोंडागांव (ए.)। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थिया ने दिनांक 26 दिसंबर 2024 को लिखित आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज करायी कि वर्ष 2023 मई जून में ग्राम नौकाबेड़ा के रहने वाले गणेश नेताम पिता लक्ष्मीनाथ उम्र करीबन 25 वर्ष द्वारा प्रार्थिया को प्यार करता हूँ शादी करूगां कहकर आरोपी द्वारा अपने खेत में बने लाडी ले गया और प्रार्थिया के साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाकर बलात्कार किया। उसके बाद बदनाम करने की धमकी देकर प्रार्थिया के साथ लगातार शारीरिक संबंध बनाकर बलात्कार करते आ रहा था। जब प्रार्थिया शादी के लिए बोली तब आरोपी द्वारा पीड़िता के मोबाईल नम्बर को ब्लेक लिस्ट में डाल कर घर से भाग गया था।

प्रार्थिया की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 175/2024 धारा 376 (2) (ड) भादवि. कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव येदुवल्ली अक्षय कुमार के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल, रूपेश कुमार डाण्डे (ऑप्स) के मार्गदर्शन में तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी फरसगांव अनिल विश्वकर्मा के पर्यवेक्षण में विवेचना के दौरान आरोपी गणेश नेताम पिता लक्ष्मीनाथ नेताम उम्र 26 वर्ष निवासी नौकाबेड़ा बड़ेपारा थाना फरसगांव के विरुद्ध गिरफ्तारी करने का पर्याप्त साक्ष्य सबूत पाये जाने से 31 दिसंबर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक संजय सिन्दे थाना प्रभारी, सउनि. पिताम्बर कठार, आरक्षक अजरंग बघेल, आरक्षक अजय मरकाम की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

कोटपा एक्ट के तहत झलप में काटे गए 16 चालान

महासमुंद। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम अन्तर्गत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी. कुदेशिया के निर्देशन एवं डीपीएम श्रीमती नीलू घृतलहरे के मार्गदर्शन व जिला नोडल अधिकारी (एनटीसीपी) डॉ. छत्रपाल चंद्राकर के सहयोग से झलप में चालानी कार्यवाही की गई।

खाद्य-औषधि प्रशासन विभाग, पुलिस विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त प्रवर्तन दल ने चालानी कार्यवाही की। कार्यवाही में औषधि निरीक्षक अखिलेश पांडेय द्वारा शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में आने वाले विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थानों में कोटपा एक्ट 2003 की धारा 04 सार्वजनिक स्थानों में धूम्रपान पर प्रतिबंध 06 अ नाबालिको के तंबाकू उत्पाद के उपयोग व बिक्री पर प्रतिबंध व धारा 06 ब शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पाद की बिक्री पर प्रतिबंध के अन्तर्गत कुल 16 चालान काटे गए। कार्यवाही में पुलिस विभाग से उप निरीक्षक विनोद कश्यप एवं आरक्षक राकेश कुमार बंजारे एवं खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग से नमुना सहायक कौशल साहू का विशेष सहयोग रहा।

बस्तर को नक्सल मुक्त करने में पिछले 20 वर्षों का टूटा रिकॉर्ड

217 नक्सली ढेर, नए वर्ष का ब्लू प्रिंट हुआ तैयार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग में की गई कार्यवाही में पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों के लिए वर्ष 2024 सर्वाधिक सफलताओं भरा रहा है। वर्ष 2024 में 217 नक्सलियों को ढेर किया है। 2001 से लेकर 2023 तक मारे गए नक्सलियों की संख्या 134 ही थी, लेकिन इस वर्ष पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने मुठभेड़ में रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। सुरक्षा बल इस साल सर्वाधिक नक्सलियों को ढेर करने में सफल रहे। इस सफलता के पीछे का बड़ा कारण अंदरूनी इलाके में बड़े पैमाने में खोले गए सुरक्षा बलों के कैंप हैं।

खोले गए 28 नए कैंप

सुरक्षाबलों ने इस साल 28 नए कैंप खोले हैं, इनमें से ज्यादा कैंप नक्सलियों के कोर इलाकों में खोले गये हैं। इनमें बीजापुर, सुकमा और नारायणपुर का अबूझमाड़ शामिल है। नये कैंप खुलने से सुरक्षाबलों को ऑपरेशन लांच करने में आसानी हुई और पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों ने पिछले 20 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

217 नक्सली हुए ढेर

बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने आज (मंगलवार) को बताया कि बस्तर संभाग को नक्सल मुक्त करने की दिशा में इस वर्ष 2024 में पुलिस और अर्धसैनिक बलों को नक्सल मोर्चे पर हर ओर से सफलता मिली है। नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ के थुलथुली के जंगलों में इस वर्ष अब तक की सबसे बड़ी मुठभेड़ हुई थी, जिसमें 38 नक्सली ढेर हुए थे। इसके साथ ही पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने सर्वाधिक 217 नक्सलियों को ढेर करने में सफलता मिली है, वहीं नक्सलियों के गढ़ कहे जाने वाले पूवर्ती, दुलेड़, कस्तुरमेटा, कच्चापाल, ईरकभट्टी जैसे अति संवेदनशील स्थानों पर 28 नए पुलिस कैंप भी खोले गए हैं। इसके परिणाम स्वरूप 792 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। वहीं 925 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है, नक्सलियों से 284 हथियार भी जब्त किए हैं। वहीं सबसे कम 19 जवानों ने बलिदान दिया है।

जवानों ने अपने दम पर कैंप खोले हैं। इसके बाद इलाके में विकास की गति तेज हो पाया है। उन्होंने बताया कि 2026 तक बस्तर से नक्सलवाद के खात्मे की दिशा में हम लगातार काम कर रहे हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि 2024 की तरह 2025 में भी हमें बड़ी सफ्लताएं मिलेंगी। हमारे जवान नक्सलवाद के खात्मे के लिए पूरे जोश से आगे बढ़ रहे हैं।

बताया जाता है नक्सलियों के बड़े ट्रेनिंग कैंप अबूझमाड़ में ही ऑपरेट होते रहे हैं। गुरिल्ला वॉरफेयर की ट्रेनिंग यहीं पर नक्सलियों के नए लड़ाकों को दी जाती है। लगातार कमजोर होते नक्सली अब बस्तर में नए सिरे से भर्ती का प्रयास कर रहे हैं। थुलथुली मुठभेड़ में नीति के ढेर होने के बाद यहां पर सेंट्रल कमेटी के पूर्व सचिव गणपति, मोपल्ल राजू, बसव राजू और सेंट्रल कमेटी मेंबर सोनू दादा की मौजूदगी है। फोर्स को समय-समय पर इनकी मौजूदगी के इनपुट मिलते रहते हैं। अब सटीक सूचना के आधार पर इन बड़े लीडर पर प्रहार की योजना पर काम किया जा रहा है।

अबूझमाड़ को घेरने की बना रहे रणनीति

सूत्रों के अनुसार यहां जनवरी में पुलिस और अर्धसैनिक बलों के 40 नए सुरक्षा कैंप खोले जाएंगे। इसके लिए केंद्रीय अर्ध सैन्य बल की दो अतिरिक्त बटालियन भी मिलेंगी। सूत्र बताते हैं कि इसी महीने जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रायपुर में नक्सल ऑपरेशन से जुड़ी अहम बैठक ली तो उसमें तय किया गया कि जनवरी से ही पुलिस और अर्धसैनिक बल अबूझमाड़ को घेरना शुरू करेगी। अबूझमाड़ के इलाके में बड़े नक्सल कैडरों की मौजूदगी यहां अब भी होने की सूचना है, जिसे ध्यान में रखते हुए रणनीति बनाया जा रहा है। साढ़े चार हजार वर्ग किमी के क्षेत्र में फैले अबूझमाड़ में दुर्दांत नक्सली अभी भी छिपे हुए हैं।

नक्सलियों से सर्वाधिक 284 हथियार जब्त, सबसे कम 19 जवानों का हुआ बलिदान, कोर इलाकों में 28 नए कैंप खुले

नए वर्ष का ब्लू प्रिंट तैयार

उल्लेखनीय है कि नाराणपुर जिले के अबूझमाड़ का क्षेत्रफल साढ़े चार हजार वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला है, यहां की भौगोलिक परिस्थितियां नक्सलियों के काफी अनुकूल है। यही कारण है कि अबूझमाड़ को नक्सलियों की अघोषित राजधानी माना जाता है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि बस्तर संभाग में नक्सल आतंक से संपूर्ण शांति का मार्ग अबूझमाड़ से होकर ही निकलेगा, इसलिए अबूझमाड़ को नक्सल मुक्त करना जरूरी है। पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने इस बाबत अपनी रणनीति भी बदली है। नए वर्ष का ब्लू प्रिंट तैयार कर लिया गया है, जिसमें नक्सलियों की अघोषित राजधानी अबूझमाड़ पर सबसे ज्यादा ध्यान केंद्रित होगा। बस्तर में मैदानी इलाके की घेराबंदी का काम 2024 में लगभग पूरा हो चुका है। अब वक्त अबूझमाड़ के घनघोर जंगलों को घेरने का है। अबूझमाड़ इस लिए भी अहम है क्योंकि यह नक्सलियों का सबसे सुरक्षित इलाका है। नक्सली इसे अपनी राजधानी बताते रहे हैं। आज तक माड़ का जमीनी सर्वे नहीं हुआ है। यहां के गांवों में आज तक मूलभूत सुविधाएं नहीं पहुंची हैं। बस्तर के बाकी इलाकों की तुलना में सबसे चुनौतीपूर्ण इलाका अबूझमाड़ ही है। फोर्स अगर 2025 में माड़ को फतह कर लेती है तो 70 प्रतिशत नक्सलियों का सफाया बस्तर से हो जाएगा।

2024 में हुई मुठभेड़ में जहां नक्सलियों की सबसे खतरनाक कंपनी नंबर 1 और 2 का सफाया किया गया तो अब निशाने पर माड़ एरिया डिवीजन कमेटी के नक्सली हैं।

नाबालिग ने फांसी लगाकर दी जान

रायगढ़। जूटमिल थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लडक़ी की लाश फंदे पर झूलती मिली है। मृतिका की लाश मंगलवार को एस्बेस्टस छत के लोहे के पाइप से दुपट्टे के सहारे फांसी के फंदे पर लटकी हुई पाई गई। घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

घटना की सूचना पर जूटमिल पुलिस मर्ग कायम कर आगे की जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार मृतिका 12वीं कक्षा में पढ़ती थी। मंगलवार को परिवार के सदस्य डॉक्टर के पास गए हुए थे। दोपहर करीब 2 बजे जब वे घर लौटे। उन्होंने देखा कि लडक़ी ने घर के अंदर से दरवाजा बंद कर लिया है। कई बार आवाज देने पर भी दरवाजा नहीं खुला, जिसके बाद दरवाजे को तोड़ा गया। अंदर का दृश्य देखकर परिजन स्तब्ध रह गए। लडक़ी की लाश छत पर लगे लोहे के पाइप से झूल रही थी। मौके पर पहुंची जूटमिल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों और आस-पड़ोस के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

छुई मिट्‌टी खदान धंसने से 2 ग्रामीणों की हुई मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा (ए.)। जिले के कुन्नी पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जमदरा में छुई मिट्टी की खदान के धंस जाने से दो ग्रामीण अंदर दब गए। जब तक दोनों को बाहर निकाला गया, दोनों की मौत हो गई थी। नए वर्ष के पहले दिन दो ग्रामीणों की मौत से गांव में शोक है। घटना लखनपुर थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, बुधवार सुबह ग्राम जमदरा निवासी हीरामन यादव अपने साथी शिवा यादव के साथ गांव से करीब एक किलोमीटर दूर छुई खदान में छुई मिट्टी लेने के लिए गए थे। दोनों छुई मिट्टी निकालने के लिए

बने सुरंग के अंदर घुसकर छुई मिट्टी निकाल रहे थे। छुई मिट्टी निकालने के दौरान खदान का ऊपरी हिस्सा धंस गया। दोनों मलबे में दब गए। खदान को धंसता देख पास में मौजूद ग्रामीण ने इसकी सूचना ग्रामीणों को दी। ग्रामीण मौके पर पहुंचे और मलवा हटाकर दोनों को बाहर निकाला, तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं। सूचना पर कुन्नी पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पंचनामा के बाद पोस्टमॉर्टम करा परिजनों को सौंप दिया है। नववर्ष के पहले दिन हुए हादसे से गांव में शोक है।

छुई मिट्टी की खदानें दबने की घटनाएं सरगुजा और सूरजपुर जिलों में पहले भी हो चुकी हैं। सरगुजा के ग्रामीण इलाकों में छुई मिट्टी घरों की पोताई के लिए उपयोग में आती है। छुई मिट्टी की ज्यादातर खदानें नालों और नदियों के किनारे बनी हैं, जहां गहराई से छुई मिट्टी निकाली जाती है।

धान का अवैध परिवहनः 224 बोरी धान और दो ट्रैक्टर जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। मस्तुरी तहसील के ग्राम वेद परसदा में प्रशासन ने धान के अवैध परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। राजस्व, खाद्य और मंडी विभाग की संयुक्त टीम ने सूचना के आधार पर दबिश देते हुए दो ट्रैक्टर जब्त किए, जिनमें 224 बोरी धान ले जाया जा रहा था। जब्त धान की कीमत लगभग 2.78 लाख रुपये आंकी गई है।

जाँच के दौरान ट्रैक्टर चालकों ने बताया कि यह धान बिल्हा से टिकारी, मस्तुरी तहसील में विक्रय के लिए ले जाया जा रहा था। पूछताछ के दौरान उन्होंने परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज जैसे परिवहन अनुमति आदेश, मंडी शुल्क रसीद या स्वामित्व प्रमाणपत्र नहीं दिखा सके। धान को समर्थन मूल्य पर उपार्जन केंद्रों में खपाने की आशंका के मद्देनजर दोनों ट्रैक्टर और धान जब्त कर लिया। तहसीलदार द्वारा मंडी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन प्रक्रिया के दौरान अवैध धान भंडारण और परिवहन पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। बिलासपुर कलेक्टर अवनीश शरण ने धान के कोचियों और दलालों पर सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं। जिले में सूचना तंत्र को मजबूत बनाते हुए अवैध परिवहन की हर सूचना पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर ने कहा है कि अवैध धान परिवहन के मामले में धरपकड़ की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

बाइक आपस में टकराई, 2 युवकों की दर्दनाक मौत

कवर्धा। नए साल के पहले दिन दो बाइक की आपस में भिड़ंत से दो युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं दो युवक घायल हुए हैं। इनमें से एक की हालत गंभीर है।

यह घटना बोड़ला थाना क्षेत्र के ग्राम खंतीपारा की है। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां इलाज जारी है. वहीं मृतक दुर्योधन चंद्रवंशी, रोहित निर्मलकर ग्राम सोढ़ा का रहने वाला बताया जा रहा है।

किराये पर लेकर महंगे वाहनों को बेचने वाला जगमोहन गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महंगे वाहनों को किराये पर लेकर दूसरे को बेचकर धोखाधड़ी करने वाले जगमोहन सिंह मशराम को एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा थाना सिविल लाइन की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार करने के साथ ही 23 चारपहिया वाहनों को भी जप्त किया जिसकी कीमती 2.02 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी जगमोहन सिंह मशराम ने त्रिलोक साहू और अन्य पीड़ितों से वाहनों को किराये पर लिया था, लेकिन किराया नहीं दे रहा और वाहनों को बेचने या गिरवी रखने का करने लगा। पीड़ितों ने किराया मांगना शुरू किया तो आरोपी ने उन्हें टाल-मटोल करने लगा इससे उन्हें शक हुआ कि वह कहीं धोखाधड़ी के शिकार तो नहीं हो रहे है। सभी पीड़ितों ने आरोपी के खिलाफ सिविल लाइन थाने में मामला दर्ज करवाया और पुलिस ने अपराध क्रमांक 637/2024 के तहत धोखाधड़ी और अन्य आरोपों के तहत मामला दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार किया और कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने अपना जुर्म कबूल लिया और उसके निशानदेही पर पुलिस ने 23 वाहनों को जप्त किया जिसकी कीमत लगभग 2.02 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

एयरपोर्ट में नौकरी लगाने के नाम पर 12 लाख रुपए की ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एयरपोर्ट दिल्ली में नौकरी लगाने के नाम पर अलग-अलग किश्तों में चेक व नकद रकम कुल 12 लाख रूपये लेकर फर्जी ट्रेनिंग, ज्वाईनिंग लेटर देकर ठगी करने का मामला सामने आया है। नेवई पुलिस के द्वारा दोनों ही आरोपियों के खिलाफ अपराध पंजीकृत कर विवेचना में लिया।

नेवई पुलिस ने बताया कि रसविंदर कौर पति अमृत पाल सिंह उम्र 52 वर्ष निवासी फेस 02 लक्ष्मी नगर रिसाली भिलाई में रहती हैं। उनके पड़ोसी डीजी राव ने रसविंदर कौर एवं उनके पति अमृत पाल सिंह को महेन्द्र पाल से मिलवाया है बताया कि महेन्द्र पाल नौकरी लगवाने का काम करता है फिर महेन्द्र पाल अपने दोस्त

संतोष करण से मुझे तथा पति अमृत पाल को मिलवाया और बताया कि संतोष करण नौकरी लगवाने का काम करता है ।

संतोष करण बताया कि एक आदमी का नौकरी लगाने के लिए 06 लाख रुपये लगेगा। तब रसविंदर व पति, मेरे बेटे अनुप सिंह भंडाल एवं भाई हरिन्दर सिंह को दिल्ली एयरपोर्ट में ग्राउण्ड स्टाफकी नौकरी लगवाने के नाम से 06-06 लाख रुपये कुल 12 लाख रुपये में तय हुआ । महेन्द्र पाल एवं संतोष करण द्वारा नौकरी लगवाने के नाम पर पैसा मांगने पर रसविंदर कौर द्वारा 1 फरवरी 2019 को महेन्द्र पाल के बोलने पर उसके दोस्त जितेन्द्र चंद्राकर को महेन्द्र पाल के निवास स्थान मैत्रीनगर रिसाली भिलाई में 01 लाख रुपये का चेक क्रमांक 000542 के माध्यम दिये। फिर अलग-अलग तिथियां में चेक एवं नगद के माध्यम से भुगतान किया गया। संतोष करण ने कहा कि बेटे व भाई का नौकरी लग गया है और ट्रेनिग करने के लिए दोनों अनुप सिंह भंडाल एवं हरिन्दर सिंह को दिल्ली ले जाकर लगभग 02 माह तक दिल्ली के किसी लाज में रूकवाकर ट्रेनिंग के लिए दिल्ली एयरपोर्ट ले गये थे परंतु उन दोनों का कोई ट्रेनिंग नहीं करवाया गया। अनुप सिंह तथा हरिन्दर सिंह को नियुक्ति प्रमाण पत्र एयरपोर्ट में नौकरी के नाम से न देकर दूसरी कंपनी Flyzone Aviation में ग्राउण्ड स्टाफ का प्री ट्रेनिंग के लिए फर्जी ऑफर लेटर दिया एवं INNOV कंपनी में सार्ट सेंटर ऐसोसियेट का फर्जी टेम्प्रेरी नियुक्ति प्रमाण पत्र दिया इस दौरान लॉज में रूकने, खाने-पीने व आने-जाने पर करीब 2,70,000 रुपये खर्चा हुआ था।

पंजाब में खेत बेचने से प्रार्थी जसविंदर कौर के खाता में पैसा लगभग 15 लाख रुपये आया था जिसे ICICI बैंक खाता चेक से 6,80,000 रुपये एवं नगद 5,20,000 रुपये का भुगतान की थी। महेन्द्र पाल के घर पर पैसा वापस मांगने जाने पर उनके द्वारा मां-बहन की अश्लील गाली गलौज व जान से मारने की धमकी दी जाती है। महेन्द्र पाल एवं संतोष करण ने मिलकर जसविंदर कौर, अमृतपाल सिंह पति को बेटे अनुप सिंह भंडाल एवं भाई हरिन्दर सिंह को नौकरी लगाने के नाम पर फर्जी नियुक्ति प्रमाण पत्र देकर छलपूर्वक कुल 12,00,000 रुपये की धोखाधड़ी की। रसविंदर कौर की रिपोर्ट पर आरोपी महेंद्र पाल एवं संतोष कारण के खिलाफ 318(4), 296, 351(3), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी

RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030

Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more

पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

नए साल के पहले दिन ही सीएम साय ने ली सचिवों और विभागाध्यक्षों की बैठक

शासकीय कामकाज में कसावट लाने दिया मंत्र

आम जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए मुस्तैदी से करें काम : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नए साल के पहले दिन ही मंत्रालय में सभी विभागों के सचिवों और विभागों के विभागाध्यक्षों की बैठक लेकर शासकीय काम-काज में पारदर्शिता और कसावट लाने के साथ-साथ आमजनता से जुड़े मामलों का तत्परतापूर्वक त्वरित एवं प्रभावी निराकरण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री साय ने बैठक में दो टूक कहा कि प्रशासनिक काम-काज में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी से लेकर निचले स्तर तक के अधिकारी-कर्मचारी समय पर कार्यालय आएं और पूरी मुस्तैदी से अपने दायित्वों का निर्वहन करें। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य को हासिल करने के लिए हम सभी को टीम भावना के साथ काम करना होगा।

छत्तीसगढ़ का रजत जयंती वर्ष

मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि वर्ष 2024 में हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रमुख गारंटियों को पूरा किया है। वर्ष 2025 छत्तीसगढ़ का रजत जयंती वर्ष है। रजत जयंती वर्ष का छत्तीसगढ़ के लिए विशेष महत्व है, इसलिए बहुत उत्साह से निष्ठापूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को विशेष अभियान संचालित कर लंबित फाइलों को तत्परता से निराकृत करने की हिदायत दी। उन्होंने मंत्रालय सहित सभी ऑफिसों में ई-ऑफिस की व्यवस्था को सुचारू रूप से लागू करने के निर्देश दिए।

प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति मजबूत होनी चाहिए

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति मजबूत होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विगत एक साल में हमने नक्सल मोर्चे पर बड़ी कामयाबी पाई है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति स्थापित करने में हम कामयाब हुए हैं। शासन की योजनाओं को नक्सल प्रभावित क्षेत्रों तक ले जाने की आवश्यकता है। नियद नेल्ला नार योजना का लाभ क्षेत्र के लोगों को मिले, यह बहुत जरूरी है। नक्सली क्षेत्र में बहुत से सुरक्षा कैंप हमने खोले हैं। इस बात का ध्यान रखें कि संबंधित विभाग के कार्य जो नियद नेल्ला नार योजना के तहत आते हैं, वे त्वरित गति से इन क्षेत्रों में पूर्ण हों। छत्तीसगढ़ के दूरस्थ आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों तक शासन की योजना का लाभ पहुंचाना सेवा का कार्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलों के प्रभारी सचिव हर 2 महीने में जिलों का दौरा करें। इस दौरान वे जिले के अंदरूनी क्षेत्रों में जाएं और फील्ड की जानकारी लें, तभी जमीनी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति पता चलेगी। उन्होंने प्रभारी सचिवों को अपने जिले के भ्रमण के दौरान वहां की स्थिति के के सम्बन्ध में मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव अनिवार्य रूप से अवगत कराने के निर्देश दिए।

जिलों में भी प्रशासनिक कसावट का विशेष ख्याल रखें

मुख्यमंत्री साय ने जिलों में भी प्रशासनिक कसावट का विशेष ख्याल रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रैफिक व्यवस्था पर भी बहुत ध्यान दिए जाने की जरूरत है। आजकल बहुत सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। अभियान चला कर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम का पुख्ता प्रबंध किया जाना चाहिए ताकि इसमें कमी लायी जा सके। छत्तीसगढ़ में अन्य राज्यों से नशे की सामग्रियों की तस्करी न होने पाए, इस पर कड़ाई से रोक लगाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पिछले एक वर्ष में नशे के अवैध कारोबार की रोकथाम के लिए अच्छा प्रयास किया गया है, इसमें और तेजी लाने की जरूरत है।

स्वयं करेंगे सभी विभागों के कार्यों की समीक्षा

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वे स्वयं सभी विभागों के कार्यों की समीक्षा करेंगे। उन्होंने सभी विभागीय सचिवों को अपने विभाग की नियमित समीक्षा करने के निर्देश देते हुए कहा कि हर महीने वर्चुअल समीक्षा के साथ ही हर 3 महीने में भौतिक समीक्षा भी की जाए। साथ ही बड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं का समयबद्ध निराकरण करने का प्रयास करें और मुख्य सचिव तथा प्रमुख सचिव को अवगत कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी की समस्याओं का समय पर निराकरण होना जरूरी है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ईज ऑफलिविंग और ईज ऑफडूइंग बिजनेस पर हमारा फोकस होना चाहिए। छत्तीसगढ़ में अभी निवेश का बहुत अच्छा माहौल बना है। छत्तीसगढ़ की औद्योगिक नीति 2024-2030 की पूरे देश में सराहना की जा रही है। नई औद्योगिक नीति का लाभ निवेशकों को मिले, इसका विशेष ध्यान रखें।

बैठक में मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख वी श्रीनिवास राव, प्रमुख सचिव, सचिव और विभागाध्यक्ष सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

यूनिटी मॉल परियोजना के लिए केन्द्र सरकार ने छत्तीसगढ़ को दी 200 करोड़ की स्वीकृति, स्थानीय उत्पादों और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

राष्ट्रीय एकता को मिलेगी मजबूती और विभिन्न राज्यों के बीच बढ़ेगा आर्थिक एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा राज्य में ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) मॉडल को प्रोत्साहित करने एवं स्थानीय उत्पादों के विक्रय को बढ़ावा देने के लिए यूनिटी मॉल की स्थापना की जा रही है। यूनिटी मॉल की स्थापना से स्थानीय हस्तशिल्पियों, बुनकरों और स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहन मिलेगा और नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। मॉल में उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय होने से हस्तशिल्पियों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा राज्य के छोटे उद्यमियों, शिल्पकारों एवं बुनकरों को लाभ मिलेगा। यह स्थानीय उत्पादों के प्रमोशन एवं विक्रय के लिए ''वन स्टॉप मार्केट प्लेस'' के रूप में कार्य करेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यूनिटी मॉल राज्य के गरीबों, युवाओं, अन्नदाताओं, और नारी शक्ति के विकास के लिए एक क्रांतिकारी कदम है। यह राज्य की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को भी बढ़ावा देगा। साथ ही यह मेक इन इंडिया और राष्ट्रीय एकता को भी प्रोत्साहित करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश वासियों के विकास के साथ राष्ट्रीय एकीकरण एवं मेक इन इण्डिया जैसे महत्वपूर्ण विषयों को अपनी प्राथमिकता मानती है। राज्य में स्थापित किये जाने वाले यूनिटी मॉल में अन्य सभी राज्यों के महत्वपूर्ण स्थानीय उत्पादों का भी प्रदर्शन एवं विक्रय किया जाएगा। इससे राष्ट्रीय एकता को मजबूती मिलेगी और विभिन्न राज्यों के बीच आर्थिक एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि हस्तशिल्पियों, बुनकरों, स्वयं सहायता समूहों एवं स्थानीय लोगों को प्रोत्साहित करने तथा स्थानीय स्तर पर नवीन रोजगार सृजन करने स्वस्थ इकोसिस्टम तैयार करने की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार के इस रिफॉर्म के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर केन्द्र सरकार द्वारा पूर्ण सहयोग दिया जा रहा है। राज्य में यूनिटी मॉल की स्थापना के लिए केंद्र सरकार ने 200 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है, जिसमें से 100 करोड़ रुपये राज्य को कैपेक्स (पूंजीगत व्यय) के तहत अग्रिम रूप में प्रदान किए गए हैं।

वित्त मंत्री श्री ओ पी चौधरी ने कहा कि यूनिटी मॉल में स्थानीय हस्तशिल्प उत्पादों के साथ-साथ फूडकोर्ट्स में स्थानीय व्यंजनों को भी विक्रय के लिए उपलब्ध कराया जायेगा। यूनिटी मॉल के माध्यम से प्रत्येक जिले के विशेष उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने की योजना है। यूनिटी मॉल की स्थापना का दायित्व रायपुर विकास प्राधिकरण को सौंपा गया है। यूनिटी मॉल से न केवल राज्य के स्थानीय कारीगरों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार का यह प्रयास छत्तीसगढ़ में एक सशक्त और स्थायी इकोसिस्टम का निर्माण करेगा, जो ग्रामीण क्षेत्रों में विकास और शहरी बाजारों तक उत्पादों की पहुंच में मददगार होगा।

सीएम साय की पहल पर नए वर्ष में मरीजों को मिलेगी बेहतर सुविधाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर शासकीय अस्पतालों में आम नागरिकों को मिलने वाली चिकित्सा सुविधाओं में लगातार विस्तार किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर नए वर्ष की शुरूआत में ही चिकित्सा सुविधाओं की सभी लोगों को सुगम एवं सहज उपलब्धता सुनिश्चित हो सके, यह प्रयास किया जा रहा है।

स्व.लखीराम अग्रवाल स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय रायगढ़ में शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना की सुविधा हेतु सभी तलों (फ्लोर)में कक्ष का शुभारंभ 1 जनवरी 2025 को किया गया है। वित्त मंत्री और रायगढ़ के स्थानीय विधायक ओ. पी. चौधरी ने स्वास्थ्य सेवाओं की सुगम उपलब्धता हेतु किया जा रहे इस पहल का स्वागत किया है।

मेडिकल कालेज रायगढ़ के अधिष्ठाता डॉ. विनित कुमार जैन एवं अस्पताल अधीक्षक डॉ. एम. के. मिंज के अनुसार इस सुविधा विस्तार से भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों को काफी सुविधा होगी इससे अनावश्यक भीड़ एवं कतार का सामना नहीं करना पड़ेगा और समय की बचत होगी। पूर्व में यह सुविधा सिर्फ एमआरडी के रजिस्ट्रेशन ओपीडी काऊंटर के समीप ही उपलब्ध थी। अस्पताल अधीक्षक डॉ. एम के मिंज के अनुसार आयुष्मान योजना कक्ष के विस्तार के साथ ही चिकित्सालय में अब ओपीडी, आईपीडी मरीज़ के जाँच के लिये अलग से जाँच पर्ची कटवाने की आवश्यकता नहीं हैं। सभी जांच पूर्णतः निःशुल्क है। ओपीडी की 10 रुपये की पंजीयन पर्ची एवं आईपीडी मरीज के लिये 85 रुपये की पर्ची के अलावा अलग से पर्ची कटवाने की आवश्यकता नहीं हैं। इसके संबंध में आदेश भी जारी कर दिया गया है। इसके साथ ही एक नई पहल करते हुए चिकित्सालय में सुझाव एवं शिकायत पेटी (बॉक्स) की व्यवस्था की गई है । साथ ही वार्ड में भर्ती मरीज के इलाज के सम्बन्ध में प्रतिदिन चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ता और व्यावसायिक सलाहकार द्वारा फीडबैक लिया जा रहा है। सुझाव एवं शिकायत पेटी में प्राप्त पत्र एवं फीडबैक को अस्पताल प्रबंधन द्वारा समिति में रख कर उसका निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

नवा रायपुर अटल नगर में एकीकृत उपनगर के विकास के लिए नियमों का सरलीकरण

आदर्श शहरी केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर नवा रायपुर अटल नगर के लेयर 2 में एकीकृत उपनगर के विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मौजूदा नियमों को अधिक सरल और व्यावहारिक बनाया गया है। यह कदम क्षेत्र में बसाहट और निवेश को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह बदलाव सुनिश्चित करेगा कि इन आवश्यक सुविधाओं का विकास उपनगर के भीतर अधिक प्रभावी ढंग से हो सके। उन्होंने कहा कि सुधारों का मुख्य उ?द्देश्य नवा रायपुर अटल नगर के लेयर 2 में एकीकृत उपनगरों के विकास को गति देना और क्षेत्र में बसाहट को बढ़ावा देना है। यह कदम नागरिकों के जीवन स्तर को सुधारने और क्षेत्र को एक आदर्श शहरी केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

वित्त मंत्री ओ पी चौधरी ने कहा कि सामाजिक सुविधाओं जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, सामुदायिक भवन, और धार्मिक स्थलों के लिए आरक्षित क्षेत्र को न्यूनतम 5 प्रतिशत किया गया है, जो पहले अधिकतम 5 प्रतिशत था। इसके अलावा आवासीय गतिविधियों को प्राथमिकता देते हुए, पूर्व में निर्धारित अधिकतम 50 प्रतिशत क्षेत्र को बदल कर अब न्यूनतम 50 प्रतिशत क्षेत्र को आवासीय उपयोग के लिए अनिवार्य किया गया है। इससे आमजन के लिए किफायती आवास उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी और लोगों को आवास की बेहतर सुविधा मिलेगी।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) संबंधित प्रावधान को नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अधिसूचना/नियमों के अनुरूप करते हुए संबंधित प्रावधानों में सुधार किया गया है, ताकि इन नियमों में एकरूपता लाई जा सके। साथ ही पर्यावरण संरक्षण और जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए, एकीकृत उपनगरों में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को अनिवार्य किया गया है।

छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियम 1984 के तहत 10 प्रतिशत क्षेत्र को खुली जगहों जैसे गार्डन और खेल के मैदानों के लिए आरक्षित रखने का प्रावधान किया गया है।

जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाने नए साल के पहले ही दिन उप मुख्यमंत्री अरुण साव उतरे फील्ड पर

अगमधाम-खंडवा मल्टी-विलेज योजना से 50 गांवों में पहुंचेगा पेयजल, 75 करोड़ की लागत से शिवनाथ नदी का पानी पहुंचाया जाएगा

- अगमधाम-खंडवा मल्टी-विलेज जल प्रदाय योजना का काम देखा
- इंटेकवेल और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण कार्यों का किया औचक निरीक्षण
- उप मुख्यमंत्री ने सड्डू में सिंगल-विलेज जल प्रदाय योजना के कार्यों का भी किया अवलोकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव जल जीवन मिशन के कार्यों को गति देने नए साल के पहले ही दिन फील्ड पर उतरे। वे राजधानी रायपुर से करीब 75 किलोमीटर दूर बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में अगमधाम-खंडवा मल्टी-विलेज जल प्रदाय योजना का काम देखने पहुंचे।

उन्होंने दामाखेड़ा के पास ग्राम तोरा में शिवनाथ नदी के चक्रवाय एनीकट पर योजना के लिए तैयार हो रहे इंटेकवेल और ग्राम किरवई में निर्माणाधीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के कार्यों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने दोनों कार्यों के निर्माण में तेजी लाते हुए समय-सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ काम पूरा करने के निर्देश दिए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुलहक, जल जीवन मिशन के संचालक सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे और पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा भी इस दौरान मौजूद थे।

पानी टंकी पर चढ़कर गुणवत्ता देखी, जलापूर्ति का लिया फीडबैक

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने रायपुर जिले के तिल्दा विकासखंड के सड्डू में सिंगल-विलेज जल प्रदाय योजना का भी अवलोकन किया। उन्होंने पानी टंकी पर चढ़कर निर्माण की गुणवत्ता देखी। उन्होंने गांव के घरों में जाकर नल से आ रही पानी की धार भी देखी। श्री साव ने सरपंच, पंचों, अन्य ग्रामीणों और महिलाओं से चर्चा कर जलापूर्ति के संबंध में फीडबैक भी लिया। ग्रामीणों ने बताया कि सुबह-शाम दोनों समय नल से पर्याप्त पानी आ रहा है। सड्डू में पूर्व से ही संचालित नल जल योजना के तहत 212 घरों में नल कनेक्शन दिए गए थे। जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव में दूसरी पानी टंकी के निर्माण के बाद 292 और घरों में नल कनेक्शन दिए गए हैं। दोनों को मिलाकर अब गांव में 504 नल कनेक्शन हो गए हैं। टंकियों को भरने के लिए यहां दो जलस्रोत स्थापित हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अगमधाम-खंडवा मल्टी-विलेज योजना के इंटेकवेल और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण कार्यों का बारिकी से निरीक्षण किया। उन्होंने किरवई में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की ड्राइंग-डिजाइन देखकर जल शोधन की प्रक्रिया समझी। उन्होंने विभागीय अधिकारियों और निर्माण एजेंसी से निर्माण कार्यों में उपयोग हो रहे सामग्रियों एवं निर्माण की गुणवत्ता की टेस्टिंग के बारे में पूछा। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को दोनों साइट्स का नियमित भ्रमण कर कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्री साव ने निर्माण एजेंसी से कहा कि इस पूरे क्षेत्र में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति के लिए यह एक बड़ी और महत्वपूर्ण योजना है। इससे 50 गांवों को पेयजल मिलेगा। इसके सभी घटकों का काम अच्छा होना चाहिए। उन्होंने पाइपलाइन बिछाने और गांवों में टंकी निर्माण के कार्यों की प्रगति की भी जानकारी ली।

उप मुख्यमंत्री साव ने ग्रामीणों से चर्चा के दौरान कहा कि घर-घर लगे नल, गांव में स्थापित पानी की टंकियां और जलस्रोत आपके ही हैं। आप लोगों को ही इनका इस्तेमाल, संधारण, रखरखाव और सुरक्षा करनी है। योजना पूर्ण हो जाने के बाद नल जल योजना का संचालन भी ग्राम पंचायतों को ही करना है।

करीब 75 करोड़ की योजना, 15 हजार परिवार होंगे लाभान्वित

अगमधाम-खंडवा मल्टी-विलेज जल प्रदाय योजना से सिमगा विकासखंड के 50 गांवों के 15 हजार से अधिक परिवारों को शुद्ध पेयजल मिलेगा। शिवनाथ नदी पर तोरा गांव में बने चक्रवाय एनीकट से पानी लेकर गांव-गांव में निर्मित पानी टंकियों के माध्यम से हर घर में नल से जल की आपूर्ति की जाएगी। करीब 75 करोड़ रुपए लागत की इस योजना का 40 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। योजना का काम इस साल जून तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950